



मौसम

अधिकतम तापमान

25.7 °C

न्यूनतम तापमान

20.2 °C

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



चंद्रकांत चौरसिया जिला
अध्यक्ष नियुक्त ... ▶▶ 4



यादें के सेट पर इकबाल खान
सभी के लिए... ▶▶ 7



पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन दूसरे
दौर में पहुंचे ... ▶▶ 10

10वीं के छात्रों को अब नहीं पढ़ना होगा पर्यावरण शिक्षा

नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने नौवीं और 10वीं के विद्यार्थियों की विषय योजना में बदलाव किया है। इसके तहत शैक्षणिक सत्र 2027-28 में 10वीं में पहुंचने वाले विद्यार्थियों को अब पर्यावरण शिक्षा नहीं पढ़नी होगी। वहीं, वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नौवीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से इंजिनिजुअल्स इन सोसाइटी विषय और माइयूल आफ कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं कृत्रिम बुद्धिमता भी हटा दिए गए हैं। बोर्ड ने ये बदलाव अंतरविषयी क्षेत्र को लागू करने की निर्धारित समय-सारणी के अनुरूप किए गए हैं। वर्तमान में 10वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों पर ये बदलाव लागू नहीं होंगे। उनके लिए पुरानी विषय योजना ही जारी रहेगी। बोर्ड के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2027-28 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए पांच विषय अनिवार्य होंगे। इनमें

पहली भाषा, दूसरी भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। इन पांच विषयों की बोर्ड परीक्षा सभी विद्यार्थियों को देनी होगी। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी एक वैकल्पिक विषय भी चुन सकेंगे। इसमें 57 विषयों की सूची में से किसी एक विषय का चयन किया जा सकता है। इसके अलावा, विद्यार्थी वैकल्पिक उन्नत गणित, उन्नत विज्ञान या व्यावसायिक शिक्षा के तहत 22 कौशल विषयों में से किसी एक को चुन सकते हैं। इन वैकल्पिक विषयों में परीक्षा और मूल्यांकन की व्यवस्था विद्यार्थी के चुने गए विषय के अनुसार होगी। 10वीं में कला शिक्षा और शारीरिक शिक्षा एवं कल्याण का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर होगा। इन विषयों में विद्यार्थियों को अंक के बजाय ग्रेड दिए जाएंगे।

कौशल शिक्षा अनिवार्य

सीबीएसई ने व्यावसायिक यानी कौशल शिक्षा को अनिवार्य रखा है। इसके लिए

सीबीएसई बोर्ड ने बदला पूरा नियम



विद्यार्थी कौशल विकास विषय या बोर्ड की ओर से अधिसूचित 22 कौशल विषयों में से किसी एक का चयन कर सकेंगे। इन विषयों में सूचना प्रौद्योगिकी, एआई, डाटा साइंस, स्वास्थ्य

देखभाल, कृषि, बैंकिंग एवं बीमा, पर्यटन, खुदरा कारोबार, सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर और डिजाइन थिंकिंग एवं नवाचार जैसे विकल्प शामिल हैं। कौशल विकास विषय

चुनने वाले विद्यार्थियों का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर होगा। इसके लिए बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। हालांकि, 22 कौशल विषयों में से किसी

एक को चुनने वाले विद्यार्थियों को 10वीं में संबंधित विषय की बोर्ड परीक्षा देनी होगी।

वैकल्पिक विषय से बदलेगा अनुत्तीर्ण विषय

सीबीएसई ने 10वीं के परिणाम के लिए विषय प्रतिस्थापन का प्रावधान भी स्पष्ट किया है। यदि विद्यार्थी तीन विषयों गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में से किसी एक में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाता है, लेकिन चुने गए कौशल विषय में उत्तीर्ण हो जाता है, तो नियमानुसार कौशल विषय से उस विषय को बदला जा सकता है। हालांकि, यह सुविधा कौशल विकास विषय चुनने वाले विद्यार्थियों को नहीं मिलेगी। इसी तरह, यदि विद्यार्थी पहली या दूसरी भाषा में से किसी एक में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाता है, लेकिन वैकल्पिक भाषा में उत्तीर्ण हो जाता है, तो निर्धारित शर्तों के तहत वैकल्पिक भाषा से उस विषय को बदलने का प्रविधान है।

इन बच्चों को विषय चुनने में मिलेगी छूट

विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए बोर्ड ने अलग प्रविधान किए हैं। उन्हें एक अनिवार्य भाषा पढ़नी होगी, जिसकी बोर्ड परीक्षा होगी। शेष चार बोर्ड परीक्षा वाले विषयों के लिए वे गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अन्य भाषा, संगीत, चित्रकला, गृह विज्ञान, व्यवसाय के तत्व, बहीखाता एवं लेखांकन, कंप्यूटर अनुप्रयोग और कौशल विषयों में से निर्धारित नियमों के अनुसार चयन कर सकेंगे। वे अधिकतम दो कौशल विषय भी चुन सकते हैं।

राहुल गांधी की 4 नवंबर को संगरूर में इंसाफ रैली

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष सरदार परगट सिंह ने ऐलान किया है कि 4 नवंबर को संगरूर में होने वाली ‘इंसाफ रैली’ पंजाब के हक, न्याय और भविष्य की लड़ाई का बड़ा मंच बनेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस रैली को संबोधित करेंगे। परगट सिंह ने दावा किया कि रैली में पंजाब भर से एक लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस रैली में कानून-व्यवस्था, नशे, बेरोजगारी, धान खरीद, बेअदबी के मामलों और पंजाब के अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों, युवाओं और आम लोगों के सवालों का जवाब देना होगा।

चक्रवात ‘अर्णव’ से 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान ‘अर्णव’ से हुई तबाही के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की और प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। तूफान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में देखने को मिला है। यहां अब तक करीब नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

...तो रद कर दी जाएगी नियुक्ति: खंडेलवाल

भोपाल। विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति और उपाध्यक्ष डा. अजय सिंह के बीच विवाद को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने नाराजगी जताई है। सूत्रों के अनुसार खंडेलवाल ने दोनों पदाधिकारियों को भोपाल में पार्टी कार्यालय बुलाकर कहा कि इस तरह से विवाद को रोकने को दोनों की नियुक्तियां रद कर दी जाएंगी। उन्होंने दोनों को आपसी समन्वय और संगठनात्मक मर्यादाओं के अनुरूप काम करने की समझाइश देते हुए कहा कि किसी तरह का विवाद है तो पार्टी फोरम में लाना चाहिए।

भोजशाला विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने 4 हफ्ते में मांगे दस्तावेज

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार 29 अक्टूबर को सुनवाई की। सभी पक्षों को संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और संजीव सचदेवा की पीठ ने हाईकोर्ट का रिकॉर्ड भी सभी पक्षों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुस्लिम पक्ष ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंद्रौर पीठ के 15 मई 2026 के फैसले के खिलाफ पांच याचिकाएं दायर की हैं। हाईकोर्ट ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर मानते हुए हिंदू समाज को नियमित पूजा-अर्चना का अधिकार दिया था। मुस्लिम पक्ष इस फैसले पर रोक और वर्ष 2003 की पूजा-पाठ व नामाज व्यवस्था बहाल करने की मांग कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार करते हुए मुस्लिम समाज को शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे तक नामाज की व्यवस्था देने का निर्देश दिया था। बाद में भोजशाला के पीछे दाईं ओर स्थित खसरा नंबर 612 की जमीन पर नामाज तय की गई। तब से यहां जुमे की नामाज अदा की जा रही है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के प्रदेश उपाध्यक्ष और याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि संगठन सुप्रीम कोर्ट में चल रहे चार प्रकरणों में पक्ष रख रहा है। उन्होंने कहा कि मां वाग्देवी की प्रतिमा स्थापना और भोजशाला के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए न्यायिक संघर्ष जारी रहेगा। अब सभी पक्षों को तय समयसीमा में दस्तावेज पेश करने होंगे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ ऐसे आएगा मॉक महाभियोग

स्पीकर की चेयर पर बैठेंगी मीरा मल्लिकार्जुन खड़गे लाएंगे मोशन

नई दिल्ली

कांग्रेस की अगुआई में इंडिया ब्लॉक शुक्रवार को दोपहर 3.30 बजे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक अनूठा राजनीतिक प्रदर्शन करने जा रहा है। इसमें संसद का मॉक सत्र आयोजित किया जाएगा और ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए महाभियोग जैसी कार्यवाही का प्रतीकात्मक मंचन होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस पूरी कवायद में अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार इस मॉक संसद सत्र की अध्यक्षता करेंगी। यह कार्यक्रम पहले दिल्ली के अशोका होटल में होना था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के बाद अब इसे खड़गे के आवास, 10 राजाजी मार्ग पर आयोजित करने की तैयारी है। दरअसल कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सचमुच में महाभियोग लाना चाहती है। इससे पहले कांग्रेस मॉक महाभियोग के जरिये दबाव बना चाहती है। इसलिए इस पहल को वास्तविक संवैधानिक कार्यवाही के बजाय एक राजनीतिक प्रतीकात्मक आयोजन के



तौर पर देखा जा रहा है। वैसे मॉक महाभियोग का शाब्दिक अर्थ ‘छद्म महाभियोग’ है। यानी महाभियोग जैसी कार्यवाही। इसमें संसद जैसी कार्यवाही का मंचन होगा। एक प्रस्ताव पेश किया जाएगा, इस प्रस्ताव को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पेश करेंगे। इस दौरान पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार अध्यक्ष पद की भूमिका निभाएंगी। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, इस आयोजन में विपक्षी सांसदों के साथ कानूनी विशेषज्ञ, वकील, न्यायविद और

एसआईआर से प्रभावित होने का दावा करने वाले आम लोगों को भी शामिल किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाड़ा समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता इसकी तैयारियों में जुटे हैं। विपक्ष ने पहले अशोका होटल में कार्यक्रम करने की योजना बनाई थी। इसके बाद रामलीला मैदान में आयोजन की कोशिश हुई, लेकिन निभाएंगी। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, इस आयोजन में विपक्षी सांसदों के साथ कानूनी विशेषज्ञ, वकील, न्यायविद और

...तो मोदी-शाह के घर जाएंगे

केसी वेणुगोपाल ने कहा, यह साफ कर दूं, चाहे कुछ भी हो जाए, हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक मोदी-शाह की कठपुतली ज्ञानेश कुमार को हटा नहीं दिया जाता। अगर वे हमें यहां रोकते हैं, तो हम अमित शाह के घर, प्रधानमंत्री मोदी के घर जाएंगे, और वहां एक बड़ा धरना देंगे। लेकिन हम आखिर तक लड़ेंगे, और जब तक हमारा मिशन पूरा नहीं हो जाता।

1 नवंबर को ‘दिल्ली चलो’ मार्च

मॉक महाभियोग के एक दिन बाद यानी 1 नवंबर को 2026 को इंडिया ब्लॉक ने दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली और ‘दिल्ली चलो’ मार्च की योजना बनाई है। इस तरह विपक्ष इस आयोजन के जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ अपने अभियान को राजनीतिक धार देने और एसआईआर के मुद्दे पर समर्थकों को एकजुट करने की कोशिश में है।

सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा

पार्थिव शिवलिंग पूजकर अयोध्या के लिए रवाना हुए दिग्विजय सिंह

भोपाल। सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा नौवें दिन बुधवार रात्रि मेडतावाल धर्मशाला खुजनेर पहुंची। जहां ब्लॉक अध्यक्ष ब्रद्रीप्रसाद नागर और शहर कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद भजन संध्या और भंडारा आयोजित किया गया। वहीं दिग्विजय सिंह का रात्रि विश्राम पूर्व आयुक्त राधेश्याम जुलानिया के यहां रहा। वहीं गुरुवार को यात्रा के दसवें दिन पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही पदयात्रा का मेडतवाल धर्मशाला में प्रभु श्रीरामलला सरकार, पवित्र तीर्थों के जल से सुशोभित कलशों और पार्थिव शिवलिंग कि पूजन-अर्चन और तिरंगे को दी सलामी के बाद



अगले पड़ाव के लिए यात्रा प्रारम्भ हुई। जिसका नगर में विभिन्न सामाजिक संगठनों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। नगर में जगह-जगह स्वागत के बीच पदयात्रियों का उत्साह देखने को मिला। वहीं दिग्विजय सिंह बोले भगवान श्रीराम के

नाम पर करोड़ों लोगों ने श्रद्धा और विश्वास के साथ समर्पण किया। किसी ने अपनी मेहनत की कमाई दी, तो किसी ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान दिया। बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास की भी होती है। राम मंदिर के निर्माण के लिए देशभर से लोगों ने दान दिया। ऐसे में चंदा चोरी से इस देश के राम भक्ति कि आस्था पर ठेस पहुंचाई है। यात्रा के दौरान धार्मिक परंपराओं के पालन के साथ राष्ट्रध्वज तिरंगे को सलामी देने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। यात्रा के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह ने अपने संबोधन मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए।

7 हजार में मिलेगा 80 हजार का इंजेक्शन

कैंसर की 543 दवाओं के दाम घटे, 9 नवंबर से लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद सरकार ने कैंसर दवाओं के 93 फीसदी दाम कर मरीजों को बड़ी राहत दी है। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद 397 यानी 73 प्रतिशत दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत से ज्यादा और 50 में 80 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमेटेप इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 रुपए से घटाकर 7,150 रुपए कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 रुपए से



घटकर 2,720 रुपए हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाय क्यों नहीं लगाई जा रही? इसके बाद कंपनियों ने नई

कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को एमआरपी के 30 प्रतिशत तक

सीमित किया है। हालांकि पेटेंट वाली दवाओं के दाम घटाना मुश्किल है, क्योंकि कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या ये नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से

जुड़ी होती हैं। कीमतें कम होने पर कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या बंद कर सकती हैं।

इन दवाओं के दाम कम नहीं हुए

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीट्रूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 रुपए है। ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 रुपए पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रेसो, टेंसेंटिक, डार्जालेक्स और हिम्फंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सभी दवाओं पर मिले छूट

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ ने बताया कि महंगी दवाओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कैंसर की दवाओं की कीमतें कम करने का लाभ मरीजों को मिलना चाहिए, लेकिन राहत केवल कैंसर की दवाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सभी जरूरी दवाओं की कीमतें कम करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए।

त्यौहार के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच जारी, किराना दुकानों से लिए गए नमूने

उमरिया (स्वतंत्रमत)

दीपावली के त्योहार को देखते हुए जिले में अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा भोपाल के निर्देशन एवं कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय के मार्गदर्शन में विभागीय टीम खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रही है, ताकि त्योहार के दौरान आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। इसी क्रम में बुधवार, 28 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने जिले के ग्राम हर्बाह और बिलासपुर में किराना दुकानों की जांच की। ग्राम हर्बाह स्थित बूढ़ी किराना स्टोर के निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के रखरखाव में कमियां पाई गईं। साथ ही खाद्य सुरक्षा



एवं मानक प्राधिकरण के निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। इस पर विभाग द्वारा नमूने लेने की कार्रवाई करते हुए मैदा, तेल, सूजी और चायपत्ती के सैंपल लिए गए। वहीं, ग्राम बिलासपुर स्थित ओम किराना स्टोर से हल्दी और पापड़ के नमूने लिए गए। विभाग द्वारा इन सभी नमूनों को जांच के लिए भोपाल स्थित खाद्य

प्रयोगशाला भेजा जाएगा। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि खाद्य पदार्थ अमानक पाए जाते हैं, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच अभियान के दौरान दुकानों में पाई गई एक्सपायरी खाद्य सामग्री का नियमानुसार विनिर्देशिकरण भी कराया गया। इसमें चिप्स, नमकीन, मसाले, बिस्कुट सहित अन्य खाद्य पदार्थ शामिल थे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे एक्सपायरी सामग्री का भंडारण और बिक्री न करें तथा खाद्य पदार्थों के रखरखाव में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें। विभागीय कार्रवाई के दौरान कुछ अन्य दुकानदारों द्वारा दुकानें बंद कर दिए जाने की भी जानकारी सामने आई। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के मद्देनजर जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया कोतवाली थाना का भ्रमण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जन सुरक्षा युवा सुजन संवाद कार्यक्रम के द्वितीय दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय के 50 छात्र-छात्राओं को पुलिस विभाग के सहयोग से कोतवाली थाना उमरिया का भ्रमण कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली, कानूनी प्रक्रियाओं एवं न्यायिक व्यवस्था से अवगत कराना था। थाना भ्रमण के दौरान उपनिरीक्षक मुकेश मर्सकोले ने विद्यार्थियों को थाना की कार्यशैली एवं कार्यपद्धति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया, कानूनी कार्रवाई, न्यायिक व्यवस्था, मालखाना में जब्त सामग्री को सुरक्षित रखने की व्यवस्था तथा थाना में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दायित्वों और कर्तव्यों के बारे में बताया। विद्यार्थियों को पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों



एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका से भी अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के दो दल बनाकर थाना परिसर का अवलोकन कराया गया, जिससे सभी विद्यार्थियों को थाना की विभिन्न व्यवस्थाओं को समझने का अवसर मिला। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा पुलिस की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। विद्यार्थियों ने इस उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि के आयोजन के लिए थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने शहडोल नगर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए की बैठक एसडीएम सोहागपुर विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर सड़क निर्माण के लिए करेंगी मार्गों का चयन



शहडोल (स्वतंत्रमत)

यातायात व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा नागरिकों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत

दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की पहल की है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने निर्देश दिए कि नगर के सभी वार्डों में सर्वाधिक व्यस्त, अधिक आबादी वाले तथा खराब स्थिति वाली सड़कों में से एक-एक सड़क का चयन कर उनका निर्माण कराया जाए। इसके लिए एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग नगर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर सड़क निर्माण के लिए

उपयुक्त मार्गों का चयन करेंगी। कलेक्टर ने सड़क निर्माण कार्यों के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से स्वीकृति दिलाने की पहल भी की है, ताकि चयनित सड़कों के निर्माण कार्य कराकर नगर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाया जा सके। नगर में आवारा पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने आवारा पशुओं के एकत्र होने वाले प्रमुख स्थानों का चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानों पर नियमित रूप से पशुओं को हटाने की कार्रवाई की जाए तथा आवारा पशुओं को गोशालाओं में भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम हो और नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी तथा सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

अवैध शराब के विरुद्ध एसडीएम ने की कार्यवाही भरौला के गगन ढाबा से 34 बल्क लीटर शराब जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिले में अवैध शराब के भंडारण, परिवहन तथा विक्रय पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में जिले में अवैध शराब के भंडारण एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बुधवार, 28 अक्टूबर को एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस दौरान दो अलग-अलग स्थानों से कुल 34 बल्क लीटर अवैध रूप से रखी शराब जब्त की गई। उल्लेखनीय है कि प्राप्त सूचना के आधार पर हाईवे से लगे ढाबों में आकस्मिक जांच



की गई। एसडीएम बांधवगढ़ ने ग्राम भरौला के गगन ढाबा में जांच की। जांच के दौरान मौके पर उपस्थित ढाबा संचालक गगन असाठी से चाबी लाने के लिए कहा गया। संचालक चाबी लेने गए,

लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद मौके पर पंचनामा तैयार कर ताला तुड़वाया गया। जांच के दौरान ढाबे से 28.6 बल्क लीटर अवैध रूप से रखी शराब जब्त की गई। जब्त शराब में गोवा, मदिरा प्लेन, 8 पीएम एवं देशी मदिरा मसाला शामिल हैं। उक्त दोनों कार्रवाइयों में कुल 34 बल्क लीटर शराब जब्त की गई। जप्त की गई शराब आबकारी विभाग को सुपुर्द की गई। कार्रवाई के दौरान प्रभारी तहसीलदार दिलीप सोनी उपस्थित रहे।

यूआईटी आरजीपीवी शहडोल में रीवा नोडल स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन आगामी क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए यूआईटी आरजीपीवी शहडोल के चार खिलाड़ियों का चयन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। यूआईटी आरजीपीवी शहडोल में रीवा नोडल स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में रीवा नोडल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान यूआईटी आरजीपीवी शहडोल एवं रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। प्रतियोगिता के सफल संचालन में जिला शतरंज संघ, शहडोल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। निर्णायक मंडल में जिला शतरंज संघ, शहडोल के अध्यक्ष आर. एस. मिश्रा, शंकरम बिरेस लोखंडे, दिव्यांस पांडेय एवं मनीष सोनी ने निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल के सहयोग एवं मार्गदर्शन से प्रतियोगिता का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में



खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर आगामी क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए यूआईटी आरजीपीवी शहडोल के चार खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में प्रिंस प्रजापति, शिवा तिवारी, सविता सेन एवं सृष्टि साहू शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त किया। विद्यार्थियों की ताकिक क्षमता विकसित करने में सहायक हैं खेल प्रतियोगिताएं इस अवसर पर

धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जबलपुर और पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल के बीच शैक्षणिक सहयोग हेतु एमओयू

शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को मिलेगा नया आयाम

शहडोल (स्वतंत्रमत)

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो राम शंकर एवम और कुलगुरु प्रो मनोज सिन्हा राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय डीएनएलयू जबलपुर के संयुक्त प्रयास से मध्य शैक्षणिक एवं संस्थागत सहयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच प्रस्तावित समझौता ज्ञान (एमओयू) का उद्देश्य उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना, शोध एवं अनुसंधान की संभावनाओं का विस्तार करना तथा विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए नए शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना है। इस समझौते के अंतर्गत दोनों प्राध्यापकों के आदान-प्रदान,



शैक्षणिक गतिविधियों, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शोध परियोजनाओं तथा शोध प्रकाशनों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के अनुभव, ज्ञान एवं संसाधनों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। एमओयू के प्रावधानों के अनुसार, दोनों विश्वविद्यालय आपसी सहमति से शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान संबंधी

कार्यक्रम संचालित कर सकेंगे। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षणिक आदान-प्रदान के साथ-साथ संकाय सदस्यों को सेमिनार, सम्मेलन तथा उच्चस्वतरीय शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। शोध के क्षेत्र में यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत पीएच.डी. शोधार्थियों को सहमति के आधार पर संयुक्त मार्गदर्शन, पुस्तकालय

संसाधनों के उपयोग तथा विशेषज्ञों के साथ अकादमिक संवाद की सुविधा प्रदान करने की संभावनाएँ विकसित होंगी। साथ ही, दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विस्तारोपण एजेंसियों से अनुसंधान हेतु सहयोग प्राप्त करने की दिशा में भी कार्य कर सकेंगे। समझौते में बौद्धिक संपदा अधिकारों और गोपनीयता के संरक्षण को भी महत्व दिया गया है। संयुक्त परियोजनाओं से संबंधित बौद्धिक संपदा के अधिकारों एवं उनके उपयोग की शर्तों का निर्धारण दोनों पक्षों सहमति से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सहयोगात्मक गतिविधियों के दौरान प्राप्त गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रावधान भी किया गया है।

रबी सीजन के लिए प्रदेश में 37७51 लाख किलो बीज उपलब्ध डिंडौरी में गेहूँ के 874 और चना के 48 किलो बीज का भंडारण

डिंडौरी। रबी सीजन 2026.27 में किसानों को बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश में कुल 37 लाख 51 हजार 994 किलो बीज का भंडारण उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अनुसार प्रदेश में शासकीय संस्थाओं से लेकर निजी बीज संस्थाओं तक पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध है। विभाग द्वारा किसानों की मांग और आवश्यकता के अनुरूप बीज की उपलब्धता की लगातार समीक्षा की जा रही है। प्रदेश में गेहूँए चनाए मसूरए सरसोए अलसीए मटर और जौ जैसी प्रमुख रबी फसलों के बीज उपलब्ध हैं। विभाग का कहना है कि किसानों को बोवनी के दौरान बीज की कमी के कारण परेशानी न होए इसके लिए उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है। रबी सीजन के लिए डिंडौरी जिले में भी प्रमाणित एवं आधार बीज का भंडारण किया गया है। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम के पास गेहूँ के 410 किलो, चना के 23 किलो, मटर के 12 किलो, अलसी के 13 किलो और मसूर के 6 किलो बीज उपलब्ध हैं। वहीं, बीज संघ के पास गेहूँ के 464 किलो और चना के 25 किलो बीज का भंडारण है। इस प्रकार जिले में गेहूँ के कुल 874 किलो और चना के 48 किलो बीज उपलब्ध बताए गए हैं। किसानों की अधिकृत विक्रय केंद्रों एवं संबंधित सहकारी संस्थाओं के माध्यम से बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। विभागीय जानकारी के मुताबिकए प्रदेश में मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम के पास 91,452 किलो, शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों में 12,403 किलो, बीज संघ के पास 6,52,739 किलो, राष्ट्रीय बीज निगम के पास 2,55,718 किलो तथा अन्य अधिकृत संस्थाओं के पास 1,90,839 किलो बीज उपलब्ध है। इन संस्थाओं के पास कुल 12,03,151 किलो बीज का भंडारण है, जबकि निजी बीज संस्थाओं के पास 25,48,843 किलो बीज उपलब्ध बताया गया है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रय केंद्रों एवं सहकारी संस्थाओं से ही प्रमाणित बीज खरीदें। बीज लेते समय पैकेट पर लोग टैग, निशान बिल और बीज की वैधता की जांच अवश्य करें। यदि कोई विक्रेता निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बीज बेचता है या अन्य अनियमितता करता है, तो किसान इसकी शिकायत संबंधित जिले के कृषि विभाग के अधिकारियों से कर सकते हैं। विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

सरकारी नौकरी में पर्यवेक्षक, निजी स्कूल की मान्यता में शिक्षिका, दिशा पैसिफिक स्कूल के मामले में शिक्षा विभाग की भूमिका पर सवाल

खुद ही मकान मालिक, खुद ही किराएदार! सरकारी पर्यवेक्षक से जुड़े निजी स्कूल की मान्यता पर उठे गंभीर सवाल

डिंडौरी

आदिवासी बाहुल्य जिले में शिक्षा का बाजारीकरण जोरों पर है। मध्य प्रदेश शासन के आदेश निर्देश का घोर उपेक्षा और अवहेलना कर बगैर बुनियादी संसाधनों के निजी स्कूल का संचालन किया जा रहा है। भोले भाले गरीबी से पीड़ित आदिवासी को अच्छी और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का झांसा देकर शिक्षण संस्थान शिक्षा का व्यापार कर रहे हैं। निजी स्कूल संचालकों पर शिक्षा विभाग के अधिकारी अत्यधिक मेहरबान होकर शिक्षण संस्थान के लिए मूलभूत संसाधनों की उपलब्धता का मौका परीक्षण और भौतिक सत्यापन किए बिना ही मनमानी ढंग से प्रसाद की तर्ज पर मान्यता बंट रहे हैं। जिले में संचालित सैकड़ों निजी स्कूलों में न तो समुचित बैठक व्यवस्था है और न शौचालय, पेयजल और खेल मैदान जैसे जरूरी व्यवस्थायें, इसके बावजूद धड़ल्ले से शिक्षा का व्यापार जोर शोर से चल रहा है।

निजी विद्यालय संचालकों पर शिक्षा व्यवस्था का दुष्प्रभु पशु के तर्ज पर अतिरिक्त दोहन करने की मानसिकता किस कदर हावी है इसकी बानगी सामने आए मामले में देखी जा सकती है। जिले के समनापुर में शासकीय कर्मचारी होकर भी निजी विद्यालय का संचालन कर रहे हैं। शिक्षा विभाग से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार



समनापुर में संचालित निजी विद्यालय दिशा पैसैफिक स्कूल की मान्यता लेने में महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत पर्यवेक्षक द्वारा बड़ा खेल किये जाने का मामला सामने आया हैए महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत पर्यवेक्षक श्रीमती स्वप्निल पूरी द्वारा शासकीय रिकॉर्ड में खुद की उप जीविका का साधन शिक्षिका दिशा पैसिफिक स्कूल की मान्यता प्राप्त की गई है। यद्यपि सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मूल पद पर कार्य करते हुए शासन से वेतन प्राप्त करने के साथ ही अन्य वैकल्पिक व्यापार ए किसी संस्था में पद धारण करना दोहरे लाभ के श्रेणी में आता है। जो कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम



1965 के प्रतिकूल है। सिविल सेवा आचरण नियम को ताक पर रख कर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी द्वारा शिक्षा व्यवस्था को व्यवसाय का साधन बना दिया गया।

बगैर अनुशंसा डीपीसी ने जारी किया मान्यता

समनापुर में संचालित दिशा पैसैफिक स्कूल को मान्यता प्रदान करने हेतु समनापुर बीआरसी के द्वारा अनुशंसा नहीं की गई हैए। शिक्षा विभाग से प्राप्त दस्तावेजों के

अवलोकन से जाहिर हो रहा है कि तत्कालीन डीपीसी डिंडौरी राघवेंद्र मिश्रा ने संसाधनहीन संस्था दिशा पैसैफिक स्कूल को नियम कायदा को ताक पर रख कर एवं अपने पद के प्रभाव का दुरुपयोग कर 2025 से लेकर 2028 तक के लिए दिनांक 27/03/2025 को मान्यता प्रदान किया गया है। मान्यता देने वाले अधिकारी ने मान्यता देने में इतनी तत्परता दिखाई कि स्कूल का संचालक कौन है, भवन कहाँ है, उपलब्ध संसाधन, किराया नामा, निजी विद्यालय का संचालन की आवश्यक न्यम शर्तें तक का परीक्षण करना भी उचित नहीं समझा। राइट डायरेक्शन एजुकेशनल सोसायटी समनापुर के अध्यक्ष श्रीमती स्वप्निल पूरी द्वारा दिनांक 02/02/2025 को मान्यता हेतु ऑनलाइन पोर्टल में आवेदन दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने खुद को समिति का अध्यक्ष बताया है, अब सवाल यह है कि क्या सरकारी कर्मचारी लाभकारी संगठन के अध्यक्ष होकर क्या निजी विद्यालय का संचालन कर सकते हैं? राइट डायरेक्शन एजुकेशनल सोसायटी के सचिव दीपक गुप्ता द्वारा अस्सिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी जबलपुर के समक्ष दिनांक 03/01/25 को प्रस्तुत किए गए विद्यमान पदाधिकारियों की सूची में महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत पर्यवेक्षक श्रीमती स्वप्निल पुरी को समिति का अध्यक्ष बताया गया है, जिनकी मुख्य उपजीविका शिक्षिका दर्शाया गया है। इस

तरह से समिति के सचिव के द्वारा रजिस्ट्रार के समक्ष समिति के विद्यमान पदाधिकारियों के जीविका की जानकारी को लेकर शासन के साथ धोखाधड़ी किया गया है।

स्वप्निल पुरी ने स्वयं के भवन को खुद को दिया पट्टे पर

निजी स्कूल संचालक श्रीमती स्वप्निल पुरी द्वारा गजब कारनामा किया गया हैए उन्होंने स्कूल संचालन के लिए स्वयं को भवन को खुद को किराए/पट्टे पर अनुबंधित कर 20 हजार रुपए मासिक किराया प्राप्त कर रही हैं। दिनांक 03४02४25 को निष्पादित किराएनामा पट्टे पर उल्लेख है कि पक्षकार क्रमांक 1.श्रीमती स्वप्निल पुरी पति दीपक गुप्ता जाति गोस्वामीए आयु 37 वर्ष, निवासी ग्राम समनापुर पोस्ट ऑफिस समनापुर, तहसील व जिला डिंडौरी, मकान मालिक पक्ष क्रमांक 2. राइट डायरेक्शन एजुकेशनल सोसायटी समिति समनापुर द्वारा अध्यक्ष श्रीमती स्वप्निल पुरी पति दीपक गुप्ता जाति गोस्वामी आयु 37 को किराए पर दिया गया है। समनापुर ाखिया राजकीय मार्ग में स्थित भवन को स्कूल संचालन हेतु पट्टा निष्पादित किया गया है। इस तरह से स्कूल संचालक और निजी विद्यालयों को मान्यताए एवं निगरानी करने वाले अधिकारी मौन साधे हुए हैं।

रणनीति : 12वीं कॉमर्स का सिलेबस चैप्टरवार बांटकर कैसे पूरा करें

हर साल बोर्ड परीक्षा से पहले स्टुडेंट्स की सबसे बड़ी शिकायत एक ही होती है, सिलेबस बहुत ज्यादा है, समझ नहीं आता कहाँ से शुरू करें। कॉमर्स के स्टुडेंट्स के सामने तो अकाउंटेंसी के सवाल, बिज़नेस स्टडीज़ की लंबी परिभाषाएं और इकोनॉमिक्स के आरेख, सब एक साथ खड़े होते हैं। लेकिन सच यह है कि समस्या सिलेबस के बड़े होने की नहीं, उसे बिना योजना के पढ़ने की है। जब यही सिलेबस चैप्टर-वार छोटे हिस्सों में बंट जाता है, तो पहाड़ जैसा काम रोज़ के छोटे लक्ष्यों में बदल जाता है।

एमपी बोर्ड की कक्षा 12 वीं कॉमर्स में आमतौर पर अकाउंटेंसी, बिज़नेस स्टडीज़, इकोनॉमिक्स, हिंदी/अंग्रेज़ी और एक वैकल्पिक विषय (गणित या इन्फर्मेंटिक्स प्रैक्टिसेस) होते हैं। प्रमुख तीनों विषयों में अकाउंटेंसी

के लगभग 9 और बिज़नेस स्टडीज़ व इकोनॉमिक्स के लगभग 11-11 अध्याय हैं।

पहला चरण - पूरे सिलेबस का नक्शा बनाएं

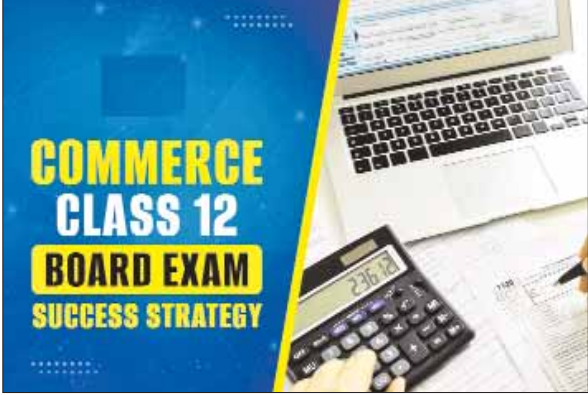
पढ़ाई शुरू करने से पहले एक बड़ी कॉपी या चार्ट पेपर लें। उसमें हर विषय के सभी चैप्टर क्रम से लिखें और हर चैप्टर के सामने तीन खाने बनाएं, अंक, कठिनाई (आसान, मध्यम, कठिन) और स्थिति (पूरा/अधूरा/दोहराना बाकी)। यह तालिका आपकी पूरी तैयारी का नक्शा बन जाएगी। जब आप अपने आगे बढ़ने को टिक के निशान में देखते हैं, तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ता है। अंकों वाला खाना सबसे ज़रूरी है। जिस चैप्टर के ज्यादा अंक हैं, वह आपके समय का बड़ा हिस्सा मांगता है। जिस चैप्टर से कम

अंक आते हैं और जो कठिन भी है, उसे सबसे अंत में रखें, पर पूरी तरह छोड़ें नहीं।

दूसरा चरण - बचे हुए दिनों का हिसाब लगाएं

कैलेंडर उठाइए और परीक्षा तक के दिन गिनिए। उसमें से रविवार, त्योहार और संभावित छुट्टियाँ घटा दीजिए। जो दिन बचें, उन्हें तीन चरणों में बाँटिए—

- **नई पढ़ाई (लगभग 55 से 60 प्रतिशत समय)** - इसमें हर चैप्टर पहली बार समझकर पढ़ा जाता है।
- **दोहराव (लगभग 25 प्रतिशत समय)** - नोट्स, सूत्र, परिभाषाएं और आरेख दोबारा देखे जाते हैं।
- **अभ्यास (लगभग 15 से 20 प्रतिशत समय)** - पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर समय-सीमा में हल किए जाते हैं।



मान लीजिए आपके पास 100 दिन हैं। तब पहले 55 से 60 दिन नए चैप्टर, अगले 25 दिन रिवीज़न और आखिरी 15 से 20 दिन सिर्फ़ प्रश्नपत्र हल करने के लिए रखे जा सकते हैं।

तीसरा चरण - हर विषय की अलग रणनीति

अकाउंटेंसी अभ्यास का

गलतियाँ दोहराई जाती हैं जिन्हें हमने पहले नज़रअंदाज़ किया होता है।

बिज़नेस स्टडीज़ समझने और याद रखने का विषय है। हर चैप्टर के लिए एक पन्ने का सार बनाइए, जिसमें परिभाषा, विशेषताएं, महत्व, सीमाएं और एक उदाहरण हो। प्रबंध के सिद्धांत, नियोजन, संगठन और नियंत्रण जैसे चैप्टर में तालिका और फ्लोचार्ट से जवाब सुंदर भी लगता है और अंक भी दिलाता है।

इकोनॉमिक्स में आरेख और सूत्र दोनों ज़रूरी हैं। माँग-पूर्ति वक्र, उपभोक्ता संतुलन, राष्ट्रीय आय की गणना और मुद्रा एवं बैंकिंग जैसे हिस्सों के लिए अलग कॉपी में सूत्र और आरेख रखिए। हर वक्र रोज़ एक बार बनाकर देखिए, क्योंकि हाथ से बनाया हुआ आरेख दिमाग में ज़्यादा टिकता है।

चौथा चरण - रोज़ का व्यावहारिक रूटीन

एक सरल दिनचर्या यह हो सकती है, सुबह (दिमाग तरोताज़ा हो तब) अकाउंटेंसी या गणित जैसा कठिन विषय। दोपहर/शाम बिज़नेस स्टडीज़ या इकोनॉमिक्स का नया चैप्टर। रात में दिनभर पढ़े हुए का 30 मिनट का दोहराव और अगले दिन का लक्ष्य लिखना।

हर रविवार को साप्ताहिक परीक्षा रखिए, पूरे हफ़्ते के चैप्टरों से 20 बहुविकल्पीय प्रश्न और 2-3 लघु उत्तरीय प्रश्न। इससे पता चल जाता है कि कौन-सा चैप्टर अभी पक्का नहीं हुआ।

पाँचवाँ चरण - कमज़ोरियों से निपटना

हर विद्यार्थी के पास एक-दो ऐसे चैप्टर होते हैं जिनसे वह कतराता है। उन्हें टालना सबसे

बड़ी भूल है। इन्हें सुबह के सबसे अच्छे समय में रखिए, छोटे हिस्सों में बाँटिए और ज़रूरत हो तो शिक्षक या किसी सहपाठी से पूछिए। एक कठिन चैप्टर को तीन दिन में तीन हिस्सों में पढ़ना, एक दिन में निपटाने की कोशिश से कहीं बेहतर है।

दर्पण निष्कर्ष

सिलेबस को चैप्टर-वार बांटना कोई जादू नहीं, बस एक अनुशासन है। जब आपके सामने साफ़ लिखा हो कि आज कौन-सा चैप्टर पूरा करना है, तो कहाँ से शुरू करूँवाली उलझन खत्म हो जाती है।

रोज़ का एक छोटा लक्ष्य, हफ़्ते की एक परीक्षा और महीने का एक रिवीज़न, यही वह तिकड़ी है जो परीक्षा हॉल में आपको शांत और आत्मविश्वासी रखेगी।

व्यावसायिक नैतिकता, उदाहरण सहित उत्तर कैसे लिखें

एमपी बोर्ड कक्षा 11 के व्यावसायिक अध्ययन में व्यवसाय के सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता वाला अध्याय अक्सर विद्यार्थियों को आसान लगता है, फिर भी इसमें अंक कट जाते हैं। वजह यह है कि वे परिभाषा तो लिख देते हैं, पर उदाहरण और तर्क के बिना उत्तर अधूरा रह जाता है। सही तरीके से लिखा उत्तर पूरे अंक दिला सकता है।

पहले अर्थ समझें

व्यावसायिक नैतिकता का मतलब है व्यवसाय करते समय सही और गलत का ध्यान रखना। यानी मुनाफ़ा कमाते हुए ईमानदारी, पारदर्शिता और समाज के हित को न भूलना। उत्तर की शुरुआत इसी सरल परिभाषा से करें।

उत्तर का सही ढाँचा

- परिभाषा** - एक या दो पंक्तियों में अर्थ लिखें।
- मुख्य बिंदु** - तत्व, महत्व या सिद्धांत क्रम से लिखें। हर बिंदु अलग पंक्ति में हो, ताकि परीक्षक को अंक देना आसान रहे।



- उदाहरण** - हर प्रमुख बिंदु के साथ एक छोटा, वास्तविक उदाहरण जोड़ें। यही आपके उत्तर को बाकी उत्तरों से अलग बनाता है।
- निष्कर्ष** - अंत में एक पंक्ति में लिखें कि नैतिक व्यवसाय ही लंबे समय तक सफ़ल होता है।

उदाहरण कैसे दें

- उदाहरण सरल और आसपास के जीवन से हों। जैसे
- **ईमानदारी** - दुकानदार का सही तौल और सही बिल देना।
 - **उपभोक्ता के प्रति जिम्मेदारी** -

खाद्य कंपनी का साफ़-सुथरा उत्पाद बनाना और सही सामग्री का विवरण लिखना।

- **मिलावट और जमाखोरी** - यह अनैतिक आचरण का उदाहरण है, जो कानूनन अपराध भी है।
- **भ्रामक विज्ञापन** - झूठे दावे करके ग्राहक को लुभाना अनैतिक है।
- **कर्मचारियों के प्रति दायित्व** - समय पर वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल देना।
- **पर्यावरण** - फैक्ट्री का कचरा नदी में न बहाना, बल्कि उपचार संयंत्र लगाना।
- **समाज सेवा** - कंपनी द्वारा स्कूल या अस्पताल के लिए सहयोग देना यानि सीएसआर।

महत्व वाले प्रश्न में क्या लिखें

अगर प्रश्न व्यावसायिक नैतिकता का महत्व पूछे, तो ये बिंदु लिखें, ग्राहकों का विश्वास बढ़ता है, कंपनी की साख बनती है, कर्मचारी संतुष्ट रहते हैं, कानूनी झंझट से बचाव होता है और दीर्घकालीन लाभ मिलता है। हर बिंदु के साथ दो-तीन शब्दों का उदाहरण जोड़ दें।

दर्पण टिप्स

- नैतिकता का अध्याय रटने का नहीं, समझने का है। जब आप हर बिंदु को रोज़मर्रा के उदाहरण से जोड़ेंगे, तो उत्तर अपने आप प्रभावशाली बनेगा। उत्तर लिखते समय इन बातों का ध्यान रखें
- उदाहरण बहुत लंबे न लिखें, एक-दो पंक्तियों काफी हैं।
 - विवादित या किसी असली कंपनी पर आरोप लगाने वाले उदाहरण से बचें। सामान्य उदाहरण सुरक्षित रहते हैं।
 - मुख्य शब्दों (जैसे पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, साख)को रेखांकित करें।
 - 5 अंक के प्रश्न में कम से कम 5 बिंदु और 3 उदाहरण रखें।

डिजिटल भुगतान: सुविधा भी, सावधानी भी



तकनीक ने हमारे जीवन को सरल बना दिया है। अब सब्जी खरीदनी हो, स्कूल की फीस भरनी हो या किसी रिश्तेदार को पैसे भेजने हों, कुछ ही सेकंड में मोबाइल से काम हो जाता है। जब में नकद रखने की ज़रूरत लगातार घट रही है। यही

बदलाव हमें नकद रहित अर्थव्यवस्था की ओर ले जा रहा है।

डिजिटल भुगतान क्या है?

मोबाइल, कंप्यूटर या अन्य डिजिटल माध्यम से बिना नकद दिए भुगतान करना डिजिटल भुगतान कहलाता है। इसके प्रमुख माध्यम यूपीआई और क्यूआर कोड, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल वॉलेट हैं।

नकद रहित अर्थव्यवस्था का अर्थ

नकद रहित अर्थव्यवस्था वह व्यवस्था है जिसमें वस्तुओं और सेवाओं के भुगतान के लिए नकद मुद्रा की जगह डिजिटल माध्यमों का अधिक उपयोग होता है। भारत में यूपीआई जैसी प्रणालियों ने इसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

हर जगह बढ़ता उपयोग

अब छोटी से छोटी रकम का भुगतान भी कुछ ही सेकंड में हो जाता है। दुकानों और बाजारों में, स्कूलों और अस्पतालों में, ऑनलाइन खरीदारी में, सरकारी सेवाओं में हर जगह इसका तेजी से उपयोग हो रहा है।

डिजिटल भुगतान के लाभ

- पैसे साथ रखने और ले जाने की चिंता कम होती है
- लेन-देन तेज़ और आसान होता है
- समय की बचत होती है
- हर भुगतान का रिकॉर्ड आसानी से मिल जाता है
- लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ती है
- व्यापारियों के लिए भुगतान लेना और हिसाब रखना सरल होता है
- अधिक लोग बैंकिंग प्रणाली से जुड़ते हैं, वित्तीय समावेशन कहते हैं

अर्थव्यवस्था को क्या फायदा?

- लेन-देन का रिकॉर्ड रहने से कर चोरी पर रोक लगती है
- काले धन पर नियंत्रण में मदद मिलती है
- नकद छापने और संभालने का खर्च घटता है
- सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे खते में पहुँचता है

सुरक्षित भुगतान के लिए सावधानियाँ

- मजबूत और सुरक्षित पासवर्ड रखें
- ओटीपी और पिन किसी के साथ साझा न करें
- केवल भरोसेमंद ऐप और माध्यमों से भुगतान करें
- अनजान लिंक पर क्लिक न करें
- भुगतान से पहले प्रासकता का नाम जाँच लें
- संदिग्ध लेन-देन की सूचना तुरंत बैंक को दें
- डिजिटल भुगतान आधुनिक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। अगर इसका उपयोग सावधानी और जिम्मेदारी से किया जाए, तो यह भारत को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और मजबूत नकद रहित अर्थव्यवस्था की ओर ले जा सकता है। याद रखिए, तकनीक तभी फायदेमंद है जब हम उसे समझदारी से अपनाएँ।

पायल सोनकर

कक्षा 12वीं,कामर्स (आईपी) केसी हितकारिणी चिल्ड्र्स एकेडमी जोसर्गंज, जबलपुर।

परीक्षा में पूर्ण प्रतिस्पर्धा और एकाधिकार प्रतिस्पर्धा के बीच अंतर को ऐसे लिखें....

अर्थशास्त्र में पूर्ण प्रतिस्पर्धा और एकाधिकार प्रतिस्पर्धा दो अलग-अलग बाजार संरचनाएं हैं। हालांकि दोनों में कई कंपनियाँ ग्राहकों के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं, लेकिन उत्पाद विभेदन, बाजार शक्ति और प्रवेश बाधाओं के मामले में इनमें अंतर होता है। पूर्ण प्रतिस्पर्धा और एकाधिकार प्रतिस्पर्धा के बीच के अंतरों को समझना बाजार की गतिशीलता और विभिन्न हितधारकों पर इसके प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए आवश्यक है।

- पूर्ण प्रतिस्पर्धा और एकाधिकार प्रतिस्पर्धा के बीच प्रमुख अंतर**
 - उत्पाद विभेदन** - पूर्ण प्रतिस्पर्धा में कंपनियाँ समान उत्पाद पेश करती हैं, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धा में उत्पाद विभेदन की अनुमति होती है।
 - बाजार शक्ति** - पूर्णतः प्रतिस्पर्धी फर्मों के पास कोई बाजार शक्ति नहीं होती है, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धी फर्मों का कीमतों पर कुछ हद तक नियंत्रण होता है।
 - फर्मों की संख्या** - दोनों बाजार संरचनाओं में कई फर्म शामिल होती हैं, लेकिन पूर्ण प्रतिस्पर्धा में आमतौर पर एकाधिकार प्रतिस्पर्धा की तुलना में अधिक संख्या में फर्म शामिल होती हैं।
 - प्रवेश बाधाएं** - पूर्ण प्रतिस्पर्धा और एकाधिकार प्रतिस्पर्धा दोनों में प्रवेश बाधाएं कम होती हैं, जिससे नई फर्मों के लिए बाजार में प्रवेश करना आसान हो जाता है।
 - मूल्य निर्धारण** - पूर्ण प्रतिस्पर्धा में, फर्मों मूल्य ग्रहणकर्ता होती हैं और कीमतों पर उनका कोई प्रभाव नहीं होता है, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धा में, फर्मों का मूल्य निर्धारण निर्णयों पर कुछ नियंत्रण होता है।
 - विज्ञापन और ब्रांडिंग** - पूर्णतः प्रतिस्पर्धी बाजारों में विज्ञापन और ब्रांडिंग न्यूनतम या बिल्कुल नहीं होती है, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धी बाजार व्यापक विज्ञापन और ब्रांडिंग रणनीतियों पर निर्भर करते हैं।
 - मांग की लोच** - पूर्ण प्रतिस्पर्धा में उत्पादों की मांग पूरी तरह से लोचदार होती है, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धा में उत्पाद विभेदन के कारण मांग सापेक्ष रूप से लोचदार होती है।

- 8 लाभ और दीर्घकालिक स्थिरता** - पूर्णतः प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ दीर्घकाल में सामान्य लाभ अर्जित करती हैं, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धी कंपनियों में उत्पाद विभेदीकरण के कारण दीर्घकालिक असामान्य लाभ उत्पन्न करने की क्षमता होती है।
- 9 उपभोक्ता प्रार्थमिकताएं** - पूर्ण प्रतिस्पर्धा में उपभोक्ताओं के लिए मूल्य और गुणवत्ता प्राथमिक कारक होते हैं, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धा में उपभोक्ता मूल्य, गुणवत्ता और उत्पाद विभेदन पर विचार करते हैं।

उदाहरण, कृषि बाजारों और स्टॉक एक्सचेंजों में पूर्ण प्रतिस्पर्धा देखी जा सकती है, जबकि एकाधिकार प्रतिस्पर्धा रेस्तरां, कपड़ों के ब्रांड और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों जैसे उद्योगों में प्रचलित है।

- पूर्ण प्रतिस्पर्धा के लाभ**
 - संसाधनों का कुशल आवंटन। उपभोक्ता संप्रभुता और संतुष्टि।
 - प्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण किफ़ायती दाम।
 - नवाचार और तकनीकी प्रगति। उपभोक्ताओं के लिए विकल्पों में वृद्धि।
 - एकाधिकारवादी शोषण के लिए कोई गुंजाइश नहीं है।
 - कुत्रिम बाजार बाधाओं का अभाव।
 - नई कंपनियों के लिए बाजार में प्रवेश करना आसान है।
 - बाजार में स्थिरता और कीमतों में उतार-चढ़ाव में कमी।
 - निष्पक्ष और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है।
- पूर्ण प्रतिस्पर्धा के नुकसान**
 - कंपनियों के लिए कम लाभ मार्जिन। कंपनियों को अनुसंधान और विकास में निवेश करने के लिए प्रोत्साहन का अभाव।
 - उत्पाद विभेदीकरण और ब्रांडिंग के सीमित अवसर।
 - बड़े पैमाने पर उत्पादन के लाभ प्राप्त करने में असमर्थता।
 - बाजार में संतुष्टि और अतिरिक्त आपूर्ति की संभावना।
 - दीर्घकालिक टिकाऊ मुनाफ़े की संभावना कम हो गई है।
 - बाह्य प्रभावों या बाजार की विफ़ल्ताओं से निपटने के लिए बाजार की शक्ति का अभाव। बाह्य झटकों और आर्थिक मंदी के प्रति संवेदनशीलता।
 - ब्रांड के प्रति वफ़दारी स्थापित करने और बनाए रखने में आने वाली चुनौतियाँ।

एकाधिकार प्रतिस्पर्धा के लाभ

- उत्पाद विभेदीकरण और ब्रांडिंग की गुंजाइश।
- ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प और विविधता।
- दीर्घकालिक रूप से असामान्य लाभ की संभावना।
- कंपनियों को अनुसंधान, विकास में निवेश करने प्रोत्साहन।
- नवाचार और अनूठे बाजार प्रस्तावों के लिए गुंजाइश है।
- विज्ञापन के माध्यम से उपभोक्ताओं को आकर्षित करना।
- उपभोक्ताओं की विशिष्ट प्रार्थमिकताओं को पूरा करने क्षमता।
- ब्रांड के प्रति वफ़दारी पैदा करना और ग्राहकों को बनाए रखना।
- बाजार की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता।
- रणनीतिक मूल्य निर्धारण और बिक्री संवर्धन के अवसर।

- एकाधिकारवादी प्रतिस्पर्धा के नुकसान**
 - पूर्ण प्रतिस्पर्धा की तुलना में दक्षता में कमी।
 - उत्पाद विभेदीकरण की लागत के कारण कीमतें अधिक होती हैं।
 - बाजार की अक्षमताओं, संसाधनों के गलत आवंटन की संभावना।
 - बाजार में प्रवेश करने में बाधाएं, जो नई फर्मों की बाजार तक पहुँच को सीमित करती हैं।
 - दीर्घकालिक असामान्य लाभ को बनाए रखने में चुनौतियाँ।
 - कंपनियों के बीच बाजार शक्ति में असमानता।
 - प्रतिस्पर्धी-विरोधी गतिविधियों की संभावना।
 - विज्ञापन की लागत काफ़ी अधिक हो सकती है।
 - ब्रांड की प्रतिष्ठा कम होने और बाजार हिस्सेदारी खोने का खतरा।
 - उत्पादों की अत्यधिक विविधता के कारण उपभोक्ताओं में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।

दर्पण टिप्स

पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत बाज़ार तय करता है, जबकि एकाधिकार में विक्रेता स्वयं। इसी कारण पहली स्थिति में उपभोक्ता का हित अधिक सुरक्षित रहता है। परीक्षा में तालिका और आरेख के साथ लिखा उत्तर सबसे अधिक अंक दिलाता है। उत्तर लिखने की सही तरीका यह है कि पहले दोनों की संक्षिप्त परिभाषा लिखें, फिर तालिका बनाकर कम से कम 5 अंतर दें, संभव हो तो माँग वक्र का सरल आरेख बनाएँ और अंत में एक लाइन का निष्कर्ष लिखें।

शब्द पहेली - 90 19					बाएँ से दाएँ					ऊपर से नीचे				
1	2	3	4	5	1.पेड़,दरख़्त-2	2.माफ़ी-2	3.झूठी शान,धमंड-3	4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2	5.अपराध,गुनाह-2	6.रास्ता,मार्ग-2	7.आनंदित,मौजी-2	8.शब्द पहेली -90 18 का हल	9.एकाएक-4	10.शीश झुकाए हुए-5
6	7	8	9	10	11.आदर्श,पमाना-3	12.त्वचा,चमड़ी,खाल-2	13.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3	14.देव,देवता-2	15.चलने का ढंग-2	16.प्रपंसा,गुणगान-3	17.कक्षा,रूम-3	18.हिंदू कलेंडर का एक महीना,भाद्रवा-2	19.500 कागजों की गड़्डी-2	20.कबाड़,खराब वस्तु-3
11	12	13	14	15	21.मजा,मस्ती-2	22.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3	23.शोरगुल,-4	24.तह,परत-2	25.माफ़ी,पूजना-4	26.आदर्श,पमाना-3	27.त्वचा,चमड़ी,खाल-2	28.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3	29.देव,देवता-2	30.अपराध,गुनाह-2
16	17	18	19	20	31.गंगा,नगदी-2	32.सूत कातने का यंत्र-3	33.कातने का यंत्र-3	34.कातने का यंत्र-3	35.कातने का यंत्र-3	36.कातने का यंत्र-3	37.कातने का यंत्र-3	38.कातने का यंत्र-3	39.कातने का यंत्र-3	40.कातने का यंत्र-3
21	22	23	24	25	41.कातने का यंत्र-3	42.कातने का यंत्र-3	43.कातने का यंत्र-3	44.कातने का यंत्र-3	45.कातने का यंत्र-3	46.कातने का यंत्र-3	47.कातने का यंत्र-3	48.कातने का यंत्र-3	49.कातने का यंत्र-3	50.कातने का यंत्र-3
26	27	28	29	30	51.कातने का यंत्र-3	52.कातने का यंत्र-3	53.कातने का यंत्र-3	54.कातने का यंत्र-3	55.कातने का यंत्र-3	56.कातने का यंत्र-3	57.कातने का यंत्र-3	58.कातने का यंत्र-3	59.कातने का यंत्र-3	60.कातने का यंत्र-3

विद्यार्थियों ने ग्राम कल्याणपुर में स्वच्छता एवं ई-कचरा प्रबंधन के प्रति किया जागरूक



नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर के विद्यार्थियों ने हाट बाजार कल्याणपुर में स्वच्छता जागरूकता के लिए नुकड़ सभा का आयोजन किया गया। इसमें ई-कचरा प्रबंधन, संग्रहण एवं पुनर्चक्रण सहित कचरे के उचित निपटान के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। नुकड़



सभा में विद्यार्थियों ने चार प्रकार के डस्टबिन का प्रदर्शन कर कचरे के पृथक्करण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नीले डस्टबिन का उपयोग सूखे कचरे, हरे डस्टबिन का गीले कचरे, लाल डस्टबिन का ई-कचरा एवं हानिकारक कचरे तथा काले डस्टबिन का सामान्य कचरे के लिए किया जाना चाहिए।

शक्कर सहित अन्य नदियों को कचरे से सुरक्षित रखने का दिया संदेश,ग्रामीणों ने ली स्वच्छता की शपथ

ग्रामवासियों ने स्वच्छता एवं ई-कचरे के उचित प्रबंधन की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान कबाड़ी श्री नीलेश वंशकार को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर मनीष नेमा, अवधेश कौरव, विवेक कौरव, सुहाना कौरव, अंशु कुशवाहा, सुरभि कुशवाहा एवं योगिता मेहरा सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।



बेहतर होगी तथा नागरिकों को होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त चौधरी शिक्षिका से बालाजी नगर मेन रोड तक नाली एवं सीसी रोड निर्माण कार्य 8 लाख 20 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा। सड़क निर्माण से नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं नाली निर्माण से पानी की निकासी सुचारु हो सकेगी। भूमि

निराश्रित गोवंश को सुरक्षित पहुंचाया गौशाला



नगर पालिका की पहल
करेली, स्वतंत्र मत। नगर पालिका परिषद करेली द्वारा नगर में घूम रहे निराश्रित गोवंश को सुरक्षित रूप से मोहद गौशाला पहुंचाया गया। इस पहल का उद्देश्य निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ ही नगर की सड़कों पर उनकी मौजूदगी से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने कहा कि निराश्रित गोवंश की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए नगर पालिका परिषद निरंतर प्रयासरत है। गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना और उनकी उचित देखभाल सुनिश्चित करना आवश्यक है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीकांत पाटट ने बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा निराश्रित गोवंश को सुरक्षित रूप से गौशाला पहुंचाने की कार्रवाई की गई है। नगर में गोवंश की सुरक्षा और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जिले में 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा राष्ट्रीय एकता दिवस

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।
राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को जिले में राष्ट्रीय एकता दिवस का गरिमामय आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में प्रातः 8 बजे से रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) आयोजित की जाएगी। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, महाविद्यालयों तथा विद्यालयों में प्रातः 11 बजे से राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। इस अवसर पर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए एक भारत, श्रेष्ठ भारत तथा युवाओं की राष्ट्रीय एकता में भूमिका विषयों पर निबंध, भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

संभाग जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता

उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान



नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।
स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता 2026 आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में संभाग जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन प्रगत शैक्षिक संस्थान जबलपुर में किया गया। इसमें शासकीय उत्कृष्ट

नरसिंह वार्ड में 19.70 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमि पूजन

नाली एवं सीसी रोड निर्माण से मिलेगी राहत

करेली, स्वतंत्र मत। नगर पालिका परिषद करेली द्वारा अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में नगर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में नरसिंह वार्ड में कुल 19 लाख 70 हजार रुपये की लागत से नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर जल निकासी एवं आवागमन की सुविधा मिलेगी। नरसिंह वार्ड में बालाजी नगर की पुलिया से रेलवे सीमा तक प्री-कास्ट नाली निर्माण तथा राजेन्द्र चौरसिया से बालाजी नगर की पुलिया तक नाली निर्माण कार्य 11 लाख 50 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा। इन कार्यों से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था

अवैध शराब के अड्डों पर आबकारी विभाग की दबिश, 14 लीटर मदिरा और 560 किलो महुआ लाहन् जब्त



नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।
कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी श्री बीएल उड्के के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 अक्टूबर को वृत्त नरसिंहपुर अंतर्गत अवैध शराब के अड्डों पर दबिश देकर 14 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा एवं 560 किलोग्राम महुआ लाहन् बरामद किया गया। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) के प्रावधानों के तहत तीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसी दौरान वृत्त अंतर्गत दो मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण भी किया गया। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, आबकारी उप निरीक्षक सुश्री आकांक्षा धनोतिया, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री सदर सिंह बरकड़े, श्री अनिल सिंह राठौर, श्री नवल सिंह ठाकुर एवं महिला आरक्षक सुश्री गरिमा उपाध्याय उपस्थित रहे।

नईबस्ती को भूअभिलेख में आबादी दर्ज करने की मांग

नगर निगम परिषद में प्रस्ताव लाने और पारित कराने पार्षदों को सौंपा जापन

सतना, स्वतंत्र मत।
नईबस्ती को राजस्व अभिलेखों में आबादी के रूप में दर्ज कराने की मांग को लेकर हनुमान नगर विकास मंच और राजनैतिक संगठन ने मंगलवार को नगर पालिका निगम सतना के पार्षदों को ज्ञापन सौंपा। पत्र क्रमांक 2026.155 दिनांक 28-10-2024 के ज्ञापन में उल्लेख है कि सतना शहर के उत्तरी छोर में बसी नईबस्ती में वार्ड क्र. 12,13,14,15,17,18,19 सात वार्ड हनुमान नगर गणेश नगर दुर्गौरी आदर्श नगर राजीव नगर दुर्गा नगर टपरिया बस्ती आईटीआई बस्ती सहित 9 मुहल्लों



में लगभग 1 लाख गरीब मजदूर बाहुल्य जनसंख्या निवास करती है। ज्ञापन में कहा गया है कि सन 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरकारी कार्यक्रम में मंगल भवन के मंच से घोषणा की थी कि नईबस्ती वासी जिस सरकारी जमीन पर बसे हैं उसका उन्हें मालिकाना

और महामंत्री विनोद द्विवेदी ने कहा कि जिन्होंने घोषणा की थी वही पूरी भी करें।

नईबस्ती आबादी अभियान 2023 से लगातार जारी है। बस्ती के सभी सात वार्डों के पार्षदों महापौर विधायक सांसद प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के समक्ष आबादी प्रस्ताव पढ़ने पर उनका मार्गदर्शन और परिषद में प्रस्ताव पारित कराने की मांग की जाती रही है।

नईबस्ती के एक लाख से अधिक गरीबों मजदूरों के हित में हम सभी बस्तीवासी आशावान हैं कि वर्तमान नगर सरकार की परिषद में आबादी प्रस्ताव लाने व पास कराने में आपका जनहितैषी अति उपयोगी एवं अति महत्वपूर्ण समर्थन अवश्य मिलेगा। मंच ने चेतावनी दी है कि यदि 30 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया जाएगा।



चंद्रकांत चौरसिया जिला अध्यक्ष नियुक्त

सतना, स्वतंत्र मत। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन पूरे भारत देश एवं विदेशों में भी वैश्य समाज को जोड़ने एवं उनके हितों की रक्षा करने के लिए कार्यरत संस्था है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल एवं वरिष्ठ कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप धारिया ने प्रदेश महामंत्री एवं रीवा संभाग के प्रभारी हरिओम गुप्ता को अनुशंसा पर मैहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी समाजसेवी चंद्रकांत चौरसिया राजा को मैहर जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा। अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन को मैहर जिले में तहसील एवं ग्राम पंचायत तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने किया पथ संचलन



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा राष् को एकता, अखंडता एवं संगठन शक्ति के जागरण के उद्देश्य से भव्य पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वल्लभ मार्केट में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में एकत्रित हुए। भारत माता की जय के गगनभेदी उद्घोष और राष्ट्र भक्ति गीतो की मधुर ध्वनि के साथ निर्धारित पथ संचलन प्रारंभ किया गया। स्वयंसेवकों ने अनुशासित कतारों में कदम से

कदम मिलाते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से पथ संचलन किया। पथ संचलन वल्लभ मार्केट से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होकर पुनः वल्लभ मार्केट पर समाप्त हुआ। मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस अवसर पर संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख कमलेश शर्मा ने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन जागरण पर विस्तार चर्चा करते हुए बताया कि पथ संचलन का मुख्य उद्देश्य समाज में अनुशासन, संगठन एवं राष्ट्रभावना का संदेश प्रसारित करना है। संघ वर्ष भर समाज जागरण, सेवा कार्य एवं चित्रण निर्माण के कार्यों में लगा रहता है। पथ संचलन उसी का एक प्रतीकात्मक प्रदर्शन है, जिससे युवाओं में देशभक्ति और एकता की भावना जागृत होती है। पथ संचलन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। अंत में सप्ता प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर जिला सह कार्यवाह हरिनारायण ममार मंचासीन थे।

एक हजार महीना जमा करें और सड़क पर ठेले लगाएं



नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता कर रहा अवैध वसूली

सतना, स्वतंत्र मत। शहर की सड़कों में इस कदर ठेले और दुकान लगी हुई है कि आने जाने में भारी परेशानियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। लोग जाम में घंटो फंसे रहते हैं। शहर के मुख्य मार्गों

पर अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहर के सिविल लाइन चौराहा, बस स्टैंड सिमरिया चौराहा सुभाष पार्क गल्ल मंडी पन्नीलाल चौक एवं जिला अस्पताल के गेट के सामने पत्त फूल समोसा कचौरी और कपड़ों के ठेले लगाकर व्यवसाय किया जा रहा है। इससे सड़क सफाई हो गई है।

स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों का आरोप है कि ठेले वालों से एक हजार रुपये महीना लाने के नाम पर वसूली की जा रही है। आरोप है कि नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते के कुछ कर्मचारियों द्वारा यह अवैध वसूली की जा रही है जिसके कारण ठेले वालों को खुलेआम सड़क पर दुकान लगाने की छूट मिली हुई है। नागरिकों ने मांग की है कि नगर निगम आयुक्त और जिला प्रशासन इस मामले में निष्पक्ष जांच कराए और सड़कों से अतिक्रमण हटाकर यातायात सुगम बनाया जाए। साथ ही अवैध वसूली में लिस लोगों पर कार्रवाई की जाए ताकि आम जनता को जाम से राहत मिल सके।



कुल्हाड़ी से हमले में एक घायल

सतना, स्वतंत्र मत। जिले के जसो थाना क्षेत्र के देवगुना गांव में कुल्हाड़ी से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। लेखराम लोधी ने पुरानी रंजिश के चलते सुरेश लोधी के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाईं। परिजनों ने घायल सुरेश लोधी को अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर संशोधित सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. अ-20(1) सन्-2026-27
प्लट द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्वायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचारार्थ है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 20/11/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्पत्क रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचारार्थीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निम्न दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची				
नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लट क्र.	रकबा	विवरमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता
15	कंठेली	4/16	950 वर्गफुट	कैलाशचंद, कैलाशचंद, दिनेश, सुनील, दिलीप, विनीता प्रिय, कैलाशचंद सोनी, दारकाप्रसाद, प्रकाशचंद उर्फ चंद्राकरा, रामजी भाई प्रिय, फूलचंद, चंदाबाई, रेवाबाई, शशिबाई प्रिय, फूलचंद सोनी सा. कंठेली

इसतहार आज दिनांक 23/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर संशोधित सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. अ-20(1) सन्-2026-27
प्लट द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्वायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचारार्थ है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 20/11/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्पत्क रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचारार्थीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निम्न दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची				
नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लट क्र.	रकबा	विवरमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता
15	कंठेली	4/153	1606 वर्गफुट	कैलाशचंद, दिनेश, कैलाशचंद, प्रकाशचंद उर्फ चंद्राकरा, रामजी भाई प्रिय, फूलचंद, चंदाबाई, रेवाबाई, शशिबाई प्रिय, फूलचंद सोनी सा. कंठेली

इसतहार आज दिनांक 23/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

मंच ने एलन मस्क का जलाया पुतला

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । स्टारलंक इंटरनेट सेवा के भारत में विस्तार के विरोध में स्वदेशी जागरण मंच ने रैली निकालकर एलन मस्क का पुतला जलाया। मंच ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा भारतीय व्यापारियों के हितों और आर्थिक स्वावलंबन से जुड़ा मुद्दा बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। चिलमन चौक में एलन मस्क का पुतला दहन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने जोरदार नारे लगाए कार्यक्रम में जिला विचार प्रमुख अनुपम दुबे, जिला सहसंयोजक डॉ. रेखा चौरसिया, सहसंयोजक विनीत परिहार, नगर समन्वयक आरती तिवारी, जिला संघचालक हीरानंद चंद्रवंशी, नगर संचालक रामेश्वर अग्रवाल, प्रांतीय प्रचार विभाग के विनायक तांबे, जिला प्रशिक्षक अभिषेक रेदास तथा विभिन्न संगठनों और व्यापारी वर्ग के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्वदेशी जागरण मंच ने इस अवसर पर दीपावली पर्व पर अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं और स्वदेशी कारीगरों को बढ़ावा देने की अपील की। मंच ने स्पष्ट कहा कि हम ज्यादा से ज्यादा चीनी वस्तुओं का उपयोग न करें और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों को आर्थिक बल मिलेगा बल्कि देश की आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी।

समय-सीमा की बैठक

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं जनसमस्याओं के निराकरण एवं आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए जिले में ग्रामीण स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 1 नवंबर से विशेष अभियान प्रारंभ किया जाएगा ।

उद्यम स्वरोजगार पर आवेदन

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम द्वारा पात्र हितग्राहियों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम योजना एवं स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही हैं मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम योजना के अंतर्गत विनिर्माण इकाइयों की एक लाख से 50 लाख रुपये तक की परियोजनाओं के लिए ऋण उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

बाल विवाह मुक्त अभियान

मण्डला। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनाद परस्ते के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुनु मोहागांव में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्बाइड गन की बिक्री, वितरण और प्रदर्शन पर प्रतिबंध

धारा 163 के तहत जारी किया आदेश, उल्लंघन करने वालों पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

त्योहारों के दौरान अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाली अवैध कार्बाइड गन के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत अवैध संशोधित पटाखों (कार्बाइड गन) की बिक्री, वितरण और प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संबंध में 27 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी किया गया है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा—आदेश में उल्लेख किया

आदिवासी विकास विभाग में खुलेआम चल रही लूट, राम की चिरियां, रामई का खेत, खाओ री चिरियां भर-भर पेट

मण्डला(स्वतंत्रमत) ।

जनजातीय कार्य विभाग में चुनिंदा ठेकेदारों के अलावा किसी के टेंडर पास नहीं होते हैं अगर कोई ठेकेदार टेंडर में सहभागिता दर्ज कराता है तो अनेक नियम कानून बनाकर उनके टेंडर निरस्त कर दिए जाते हैं।

यहां के वर्तमान ठेकेदारों के पास सैकड़ो काम बताए जाते हैं अनुमान के अनुसार एक-एक ठेकेदार के पास लगभग 50 काम से अधिक दिए गए हैं जो कि नियमों के विपरीत है इन ठेकेदारों के पास न तो स्टॉफ है न ही मशीनें है और न ही इंजीनियर कुल मिलाकर फर्जी तरीके से कामों की खानापूर्ति की जा रही हैं। बीते दस सालों में अरबों रूपए के टेंडर लगा दिए गए हैं जिसमें से अधिकांश काम कागजों में पूर्ण बता दिए गए हैं। वहीं संचालित छात्रावासों और स्कूल भवनों में मरम्मत के नाम पर छतों के ऊपर लगाए जा रहे टीन शेड अब सवालों के घेरे में हैं। ट्राइबल सब प्लान (टीएसपी) मद से करोड़ों रुपये



खर्च किए जाने की चर्चा के बीच निर्माण कार्यों की जरूरत तकनीकी स्वीकृति, सामग्री की गुणवत्ता और भुगतान प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष इंजी. कमलेश्वे तेकाम ने सहायक आयुक्त कार्यालय की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए मामले को उच्चस्तरीय जांच कराने और जरूरत पड़ने पर न्यायालय की शरण लेने की बात कही है।

आदिवासी विद्यार्थियों को सुरक्षित आवास और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध

कराने के उद्देश्य से सरकारी छात्रावासों में मरम्मत एवं निर्माण कार्य कराए जाते हैं। लेकिन जब जर्जर छतों के ऊपर ही टीन शेड लगाए जाने लगे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर भवनों की वास्तविक जरूरत का आंकलन किसने किया क्या छतों की मरम्मत जरूरी थी या केवल ऊपर शेड लगाकर समस्या का अस्थायी समाधान किया जा रहा है यदि भवनों की छतें कमजोर हैं तो उनकी मजबूती सुनिश्चित किए बिना अतिरिक्त ढांचा खड़ा करना किटना उचित है छात्रावास अधीक्षकों से मिली जानकारी के

अनुसार कुछ स्थानों पर लगाए जा रहे शेड की चादरों और लोहे के पाइप-एंगल की गुणवत्ता को लेकर आपत्तियां सामने आई हैं। आरोप है कि कम गेज की चादरें और कमजोर लोहे के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है। फिटिंग और मजबूती को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ अधीक्षकों ने आशंका जताई है कि तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान ऐसे शेड क्षतिग्रस्त हो सकते हैं या उड़ सकते हैं कुछ स्थानों पर निर्माण सामग्री में जंग लगने की शिकायतें भी सामने आने की

बात कही जा रही है। यदि सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है तो यह केवल सरकारी धन के उपयोग का मामला नहीं बल्कि छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा से भी जुड़ा गंभीर प्रश्न है विभागीय स्तर पर यह बताया जा रहा है कि छतों से पानी के रिसाव और सीपेज की समस्या दूर करने के लिए टीन शेड लगाए जा रहे हैं। चर्चा यह भी है कि कुछ कार्यों के स्टीमेट पुराने हैं जबकि उनकी स्वीकृति हाल में मिली है।

इसके बाद ठेकेदारों द्वारा

तेजी से निर्माण कराया जा रहा है ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि प्रत्येक भवन के लिए तकनीकी सर्वेक्षण कब किया गया स्टीमेट का किस आधार पर तैयार हुआ प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति किस अधिकारी ने दी और निर्माण की गुणवत्ता जांचने की जिम्मेदारी किसے सौंपी गई है। टीन शेड की मोटाई लोहे के पाइप और एंगल की गुणवत्ता ढांचे की भार सहने की क्षमता वेंटिलिंग फिक्सिंग तथा जंग से बचाव के मानकों का परीक्षण भी आवश्यक है यदि निर्माण कार्य विद्यार्थियों को सीपेज और गर्मी

से राहत देने के लिए हो रहे हैं तो यह भी जांचना होगा कि प्रस्तावित व्यवस्था वास्तव में समस्या का समाधान करेगी या कुछ समय बाद फिर मरम्मत पर सरकारी धन खर्च करना पड़ेगा। आखिर जब करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं तो भवनों की जरूरत और दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही। एक भाजपा नेता से जुड़े कथित ठेकेदारी हितों और पिछले वर्षों में हुए निर्माण कार्यों की जांच की आवश्यकता

उन्होंने संकेत दिया कि यदि मामले में पारदर्शी जांच और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई तो उच्च स्तरीय शिकायत की जाएगी और जरूरत पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा उन्होंने जिन कथित अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है उनकी स्वतंत्र जांच के माध्यम से पुष्टि होना जरूरी है।

कन्या शिक्षा परिसर में जागरूकता अभियान



मण्डला/मोहागांव(स्वतंत्रमत) ।

कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर मोहागांव में वन स्टॉप सेंटर द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा

मर्सकोले द्वारा छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम देहेज प्रतिषेध अधिनियम लैंगिक आधारित हिंसा लिंग परीक्षण की कानूनी प्रति बंधिता तथा पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई साथ ही महिला हेल्पलाइन 181 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 की उपयोगिता से अवगत कराते हुए इसके उपयोग की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने

विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना पीडित प्रतिकर योजना हिट एंड रन योजना शिक्षा का अधिकार समानता का अधिकार यातायात नियमों एवं लोक अदालत की जानकारी प्रदान की कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं कु. शालिनी वरकड़े एवं कु. अंजली को उपहार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका डॉ. श्रीमती पल्लवी चौहान, श्रीमती नमी हर्दहा, श्रीमती सुरभि शर्मा, श्रीमती लवली खरे एवं श्रीमती चित्रलेखा डोंगरे, शिक्षक दिर्मांशु राज दुबे तथा वन स्टॉप सेंटर के बहुउद्देशीय कार्यकर्ता हरिशंकर कछवाहा उपस्थित रहे।

स्वामित्व योजना से पटवारी परेशान, सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन 2026 के कार्यों को लेकर मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पटवारियों की समस्याओं के निराकरण मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष गोतेन्द्र गीतू बैरागी ने 29 अक्टूबर को प्रमुख सचिव राजस्व आयुक्त भू-अभिलेख एवं प्रबंधन तथा कलेक्टर को पत्र भेजकर अभियान के दौरान आ रही परेशानियों से अवगत कराया है। पटवारियों का आरोप है कि अभियान को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के दबाव में पटवारियों से लगातार काम कराया जा रहा है। सर्वर की कम क्षमता और



तकनीकी खामियों के कारण काम प्रभावित हो रहा है जबकि लक्ष्य पूरा नहीं होने पर पटवारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित होना पड़ रहा है। पत्र में सर्वर की क्षमता बढ़ाने और तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण करने मांग की गई है ताकि अभियान का काम सुचारु रूप से पूरा हो सके। संघ ने

अभियान और शिविरों की कार्य अवधि सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित करने की मांग भी उठाई है।

आरोप है कि अवकाश के दिनों में भी काम कराया जा रहा है तथा कई स्थानों पर रात में शिविर लगाकर कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। संघ ने महिला

कच्ची शराब के अड्डों पर दी दबिश

पटवारियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में उनकी रात्रिकालीन ड्यूटी पर रोक लगाने मांग की है। विशेष परिस्थितियों में काम में देरी होने पर महिला कर्मचारियों को सुरक्षित घर पहुंचाने की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की बात भी कही गई है। पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि इन समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं होने से कर्मचारियों के स्वास्थ्य मानसिक स्थिति और कार्यक्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। संघ ने प्रशासन से उचित निर्देश जारी कर पटवारियों को राहत देने की मांग की है। इस दौरान नागेंद्र दुबे, मनोज दुबे, नमन गोदरे एवं अन्य पटवारी मौजूद रहे

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । कलेक्टर के निर्देशन मे जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में मंडला वृत्त में दबिश कार्यवाही की गई। जिसमें ग्राम गांड़ीश के आगे सहखधारा रोड में नर्मदा नदी के किनारे में मदिरा का अवैध रूप से निर्माण करने वाले अड्डों पर दबीश कार्यवाही की गई। जिसमें मदिरा का निर्माण करने वाले विभिन्न अड्डों से लगभग 350 डब्बे महुआ लाहन के बरामद किए गए एवं लगभग 95 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त की गई प्रत्येक डब्बा में लगभग 10 किलो महुआ लाहन भर पाया इस प्रकार 3,500 किलो महुआ लाहन घटना स्थल पर नष्ट किया गया साथ ही मदिरा निर्माण में प्रयुक्त बर्तनों को भी घटनास्थल

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । कलेक्टर के निर्देशन मे जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में मंडला वृत्त में दबिश कार्यवाही की गई। जिसमें ग्राम गांड़ीश के आगे सहखधारा रोड में नर्मदा नदी के किनारे में मदिरा का अवैध रूप से निर्माण करने वाले अड्डों पर दबीश कार्यवाही की गई। जिसमें मदिरा का निर्माण करने वाले विभिन्न अड्डों से लगभग 350 डब्बे महुआ लाहन के बरामद किए गए एवं लगभग 95 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त की गई प्रत्येक डब्बा में लगभग 10 किलो महुआ लाहन भर पाया इस प्रकार 3,500 किलो महुआ लाहन घटना स्थल पर नष्ट किया गया साथ ही मदिरा निर्माण में प्रयुक्त बर्तनों को भी घटनास्थल



पर ही नष्ट किया आबकारी बल को देखकर मदिरा का निर्माण करने वाले व्यक्ति भाग गए। जिनकी तलाश जारी है मदिरा का अवैध रूप से निर्माण करने पर कुल 4 प्रकरण अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध पंजीबद्ध किए गए जप्त मदिरा एवं लाहन को कुल अनुमानित कीमत 3,64,250 है उक्त कार्यवाही में

आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी,सचिन मंडलोई, हेरसिंह उडके ,भानु पुशाम, प्र आरक्षक, विजय कमलेश्वर,कन्हैया उडके, नेतराम काकोटिया, विकास कौरव, हिमांशी धुर्वे उपस्थित रहे मदिरा का अवैध रूप से विक्रय निर्माण करने वाले को कुल अनुमानित कीमत को कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कार्बाइड गन की बिक्री, वितरण और प्रदर्शन पर प्रतिबंध

धारा 163 के तहत जारी किया आदेश, उल्लंघन करने वालों पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

त्योहारों के दौरान अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाली अवैध कार्बाइड गन के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत अवैध संशोधित पटाखों (कार्बाइड गन) की बिक्री, वितरण और प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संबंध में 27 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी किया गया है।

गया है कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी लोहे, स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाली अवैध संशोधित कार्बाइड गन तैयार कर बेचे जाने की आशंका है। इनमें प्रयुक्त कैल्शियम कार्बाइड से आंखों और चेहरे को नुकसान पहुंच सकता है। इससे आम नागरिकों के स्वास्थ्य को गंभीर क्षति होने की आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए, लोकहित और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

निर्माण, बिक्री और प्रदर्शन पर रोक

आदेश के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, संस्था अथवा व्यापारी अवैध संशोधित पटाखों एवं

कार्बाइड गन की बिक्री, वितरण या प्रदर्शन नहीं कर सकेगा। लोहे, स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले ऐसे उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

आदेश के अनुसार, प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। आम नागरिकों को संभावित खतरे से बचाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (2) के तहत एकपक्षीय आदेश जारी किया गया है।

मिठाइयों के सैंपल लिए होटल और मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

साफ-सफाई में लापरवाही पर नोटिस तीन प्रतिष्ठानों पर नगरपालिका ने लगाया 2-2 हजार रुपये का जुर्माना

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। दीपावली पर्व के महेनजर बाजार में बढ़ती मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की मांग के बीच उनकी गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य विभाग ने नैनपुर नगर के होटल और मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से खोवा, पनीर और मिठाइयों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने की कार्रवाई की गई। वहीं, साफ-सफाई में लापरवाही



पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को सूचना पत्र जारी किए गए। दूसरी ओर, नगरपालिका ने भी कार्रवाई करते हुए तीन प्रतिष्ठानों पर दो-दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

पांच प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूने—दीपावली के दौरान पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग की टीम ने नगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का

निरीक्षण किया। इस दौरान कल्याण होटल, बीकानेरी स्वीट्स, खंडेलवाल होटल, प्रेम लस्सी सेंटर और अरिहंत स्वीट्स से खोवा, पनीर एवं मिठाइयों के नमूने लिए गए। इन नमूनों को गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य अधिकारी शारदा विनोडिया

नर बताया कि आगामी त्यौहारों के महेनजर यह कार्यवाही आगर भी जारी रहेगी।

स्वच्छता में लापरवाही पर जारी किए सूचना पत्र

निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। जिन प्रतिष्ठानों में स्वच्छता संबंधी कमियां पाई गईं, उन्हें आवश्यक सुधार करने के लिए सूचना पत्र जारी किए गए। वहीं, प्रेम होटल में अस्वच्छ स्थिति पाए जाने पर भी सूचना पत्र जारी किया गया है। संबंधित मामले को आगे की कार्रवाई के लिए एडीएम न्यायालय, मंडला के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

नगरपालिका ने भी की कार्रवाई

खाद्य विभाग की कार्रवाई के साथ ही नगरपालिका ने भी स्वच्छता नियमों के पालन को

लेकर सख्ती दिखाई। नगरपालिका द्वारा तीन प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए प्रत्येक पर दो-दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। त्यौहार के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और प्रतिष्ठानों में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई इस कार्रवाई से व्यापारियों को निर्धारित मानकों का पालन करने का संदेश दिया गया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस कल मण्डला(स्वतंत्रमत) । सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को प्रदेशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं ।

संपादकीय

दावों की निगरानी भी हो

यह विदंबना ही है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फार्मूले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फार्मूले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है।

निःसंदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इम्प्लूएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फार्मूला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं। बेशक, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि ‘शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम’ के तहत लगाई गई पारबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं।

निश्चित रूप से इस प्रकरण में कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना ही चाहिए। वहीं दूसरी ओर, उनके बड़-बड़कर किए जाने वाले दावों की जांच विश्वसनीय स्र्वतंत्र और नियमों के आधार पर ही की जानी चाहिए। हालांकि, देश के नियामकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना तार्किक आधार वाले या गुमराह करने वाले दावों को उत्पाद बनाने वाली कंपनियों द्वारा तुरंत सुधारा जाए। वहीं दूसरी ओर, नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर उचित कार्रवाई की जाए। वैसे तो हमारे देश में आमतरौर पर खाद्य उत्पादों के लेबल और विज्ञापन ही अवसर उपभोक्ताओं के लिए जानकारी के मुख्य स्रोत होते हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों व अशिक्षित लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। इसलिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को अपनी जांच-पड़ताल सख्ती से करनी चाहिए। निश्चित रूप से प्रवर्तन एजेंसियों के नतीजे सामने आने पर सार्वजनिक किए जाने चाहिए। साथ ही, भविष्य में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माता किसी उत्पाद को बाजार में उतारने से पहले अपने दावों को सच्चाई की कसौटी पर सही साबित करे। निश्चित रूप से पोषण संबंधी मार्केटिंग का मकसद सही जानकारी देना होना चाहिए, न कि लोगों को गुमराह करना।

ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाने वालों को चुनाव आयोग ने मिलकर दिया करारा जवाब!

नीरज कुमार दुबे

चुनाव आयोग पर सवाल उठाना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवालों की आड़ में संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार हमला करना और तथ्यों के सामने आने के बाद भी राजनीतिक आरोपों की धार बनाए रखना लोकतांत्रिक विमर्श की स्वस्थ परंपरा नहीं हो सकती। हम आपको बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में काम कर रहे भारतीय निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे के जरिए उन आरोपों का जवाब दिया है, जिनके माध्यम से आयोग की निर्णय प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आयोग का पक्ष सामने आने के बाद अब इस पूरे विवाद को केवल राजनीतिक आरोपों के चरमे से देखा जाना पसंद नहीं होगा। दस्तावेज क्या कहते हैं, कानून क्या कहता है और अदालत के सामने कौन-सी दलीलें रखी गई हैं, यह देखना भी उतना ही जरूरी है। हम आपको यह भी बता दें कि आज इस मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए याचिकाकर्ता रणेश कुमार सिंह को 10 दिन का समय दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद करने का फैसला किया है। अगली सुनवाई 17 नवंबर को होने की संभावना है। इसका कथं यह है कि अदालत ने अभी न तो आयोग के पक्ष को अंतिम रूप से स्वीकार किया है और न ही याचिकाकर्ताओं के आरोपों को सही ठहराया है। अदालत दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर मामले को आगे बढ़ाएगी।

दूसरी ओर, आयोग के हलफनामे का सबसे महत्वपूर्ण

पहलू यह है कि उसने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एकातरफा फैसले लेने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि एसआईआर से जुड़े तीन प्रमुख आदेश 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 को तीनों सदस्यों की सर्वसम्मति से जारी किए गए थे। आयोग के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों निर्वाचन आयुक्तों की सहमति से ही इन निर्णयों को अंतिम रूप दिया गया। हलफनामे को भी ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। साथ ही यहां एक बुनियादी बात समझना जरूरी है। किसी फाइल पर किसी अधिकारी या निर्वाचन आयुक्त की टिप्पणी, सवाल अथवा सुझाव दर्ज होने का अर्थ अपने आप यह नहीं होता कि आयोग ने अंतिम निर्णय भी उसी टिप्पणी के आधार पर लिया। आयोग ने अपने हलफनामे में इसी अंतर को स्पष्ट किया है। उसका कहना है कि फाइलें निर्धारित प्रक्रिया के तहत एक निर्वाचन आयुक्त से दूसरे निर्वाचन आयुक्त और फिर मुख्य चुनाव आयुक्त के पास जाती हैं। जरूरी मामलों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मंजूरी भी ली जा सकती है, जिसे बाद में रिकॉर्ड पर दर्ज किया जाता है। आयोग का तर्क है कि आंतरिक विचार-विमर्श को अंतिम निर्णय के साथ मिलाकर देखना उचित नहीं है। यह दलील उन आरोपों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिनमें दावा किया गया था कि एसआईआर से जुड़े 14 निर्णय दोनों निर्वाचन आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद आयोग के नाम पर लिए गए। योग ने इन आरोपों के आधार को चुनौती देते हुए कहा है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट अपने आप में आरोपों का निर्णायक प्रकृति प्रमाण नहीं हो सकती। अब याचिकाकर्ता को अपना जवाब दाखिल करना है और अदालत को यह तय

करना है कि उपलब्ध रिकॉर्ड से क्या निष्कर्ष निकलता है।

दूसरा बड़ा मुद्दा फॉर्म-6 को लेकर है, जिसका इस्तेमाल मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए किया जाता है। आयोग ने कहा है कि वैधानिक फॉर्म-6 में संशोधन नहीं किया गया। उसके मुताबिक, एसआईआर के दौरान मांगा गया अतिरिक्त घोषणा-पत्र अलग दस्तावेज है, जिसे मूल आवेदन-पत्र में संशोधन नहीं माना जाना चाहिए। हालांकि आयोग ने यह स्वीकार किया कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की प्रस्तुति से फॉर्म-6 में बदलाव होने का आभास पैदा हो सकता था। इसके बाद 21 अक्टूबर से ऑनलाइन प्रक्रिया को फॉर्म-6

और अलग एसआईआर घोषणा-पत्र में विभाजित करने की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही गई। यही वह बिंदु है जहां आयोग के पक्ष को संतुलित दृष्टि से देखना चाहिए। किसी प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए उसमें सुधार करना प्रशासनिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। यदि ऑनलाइन व्यवस्था से भ्रम पैदा हुआ था, तो उसे अलग करना उपयोगी कदम हो सकता है। लेकिन इससे यह निष्कर्ष अपने आप नहीं निकलता कि हर विवाद समाप्त हो गया। असली कसौटी यह है कि व्यवस्था कानून के अनुरूप है या नहीं और पात्र मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही। साथ ही आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर भी अपना पक्ष रखा है। उसका कहना है कि जिन मतदाताओं का रिकॉर्ड पुरानी मतदाता सूचियों से नहीं मिल पाता, उनके घर जाकर वृ्ध स्तर के अधिकारी दस्तावेज एकत्र कर सकते हैं। ऐसे मतदाताओं को सामान्यतः सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं होगी और असमाधुन मामलों में सुनवाई की जा सकती है। आयोग ने यह भी कहा है कि ECINet प्रणाली पर किसी

मतदाता का नाम जोड़ने या हटाने के लिए संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का आदेश आवश्यक है। अतिरिक्त, तकनीकी व्यवस्था की जांच के लिए आईआईटी और भारतीय विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों को शामिल करने वाली समिति का उल्लेख किया गया है। इन दलीलों से आयोग यह बताना चाहता है कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित प्रक्रियाएं और प्रशासनिक सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करने आवश्यक है, लेकिन किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटना भी उतना ही गंभीर विषय है।

अब बात ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व की। किसी मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यक्षमता का फैसला इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि विपक्ष उनके कामकाज से संतुष्ट है या नहीं। असली प्रश्न यह है कि क्या निर्णय कानून के अनुरूप लिए जा रहे हैं, क्या उनका रिकॉर्ड उपलब्ध है और क्या मतदाता के अधिकार सुरक्षित हैं। आयोग का हलफनामा इन सवालों का जवाब देने का एक औपचारिक प्रयास है। यदि उसके तर्क न्यायिक परीक्षण में सही साबित होते हैं, तो यह उसके संस्थागत पक्ष को मजबूती देगा। वहीं, यदि किसी निर्णय में कानूनी खामी पाई जाती है, तो उसे सुधारना भी उसी संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है जिसकी रक्षा आयोग करता है। हम आपको यह भी बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही स्पष्ट किया था कि वह रिकॉर्ड की जांच करेगा और कानून के विपरीत पाए जाने वाले निर्णयों पर हस्तक्षेप कर सकता है। इसलिए इस मामले में न तो आयोग को अदालत से पहले क्लीन चिट दी जा सकती है और न ही केवल आरोपों के आधार पर उसे दोषी ठहराया जा सकता है। यही न्यायिक प्रक्रिया की खूबसूरती है।

यदि महाराज बिजली बचा रहे हैं तो इसमें बुराई क्या?

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी को भी भाजपाइयों की आलोचना करने में पता नहीं क्या मजा आता है, माना कि आप विरोधी पक्ष के नेता हो लेकिन हमेशा भाजपा के नेताओं के पीछे लगे रहो ये ठीक बात नहीं है अब देखो ना एक बड़ा भारी बयान दे दिया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के महल में चार सौ कमरे हैं और उनका बिजली का बिल कुल जमा पंद्रह सौ रुपए आ रहा हैं। अरे जीतू भैया तमाम लोग कह रहे हैं, सरकारें कहर रही हैं कि बिजली बचाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है, किसी भी कमरे से निकलो तो वहां को लाइट बंद कर दो, एसी कम से कम चलाओ, पंखे की भी जरूरत हो तो स्टार्ट करो, बेवजह बिजली से रोशन मत करो अपने मकान को , बस इन्हीं ब्रह्म बाबायों को महाराज ने अपने दिल दिमाग में उतार लिया और उन्होंने अपने महल में बिजली की बचत शुरू कर दी, जहां बैठते हैं वहां

बचाने की बात हो रही है और यदि महाराज जी बिजली बचाने में सबसे आगे खड़े हो गए तो इसमें ऑब्जेक्शन नहीं लेना चाहिए, यदि महाराज की बिजली बचत से आम लोगों को भी बिजली बचाने की शिक्षा मिलती है तो यह तो एक पुण्य का काम होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पुरस्कार के लिए बेचैन है तरह तरह के बयानों के माध्यम से हर पुरस्कार के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं लेकिन पुरस्कार देने वाले बेचारे ट्रंप पर अपनी नजरे ही इनायत नहीं कर रहे हैं, पहले शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पाने के लिए ट्रंप ने अपनी पूरी ताकत लगा दी पता नहीं कौन-कौन से युद्ध को रोकने के लिए अपने आप को श्रेय दिया और यह कहा कि पूरे विश्व में शांति बनाए रखने के लिए उनके प्रयासों के कारण उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार देना चाहिए

लेकिन वे ये भूल गए कि पूरे विश्व में अशांति फैलाने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका है जाहिर है जो अशांति फैला रहा हो उसे शांति का नोबेल पुरस्कार कैसे मिल सकता था सो किसी दूसरे को दे दिया गया अब ट्रंप महाराज साहित्य के पुलित्जर पुरस्कार पाने की मांग कर रहे थे वे कह रहे है कि उन्हें अपने लेखन के लिए भी पुलित्जर पुरस्कार मिलना चाहिए था लेकिन दोनों ही पुरस्कार मुझे नहीं मिले जबकि मैं दोनों ही पुरस्कारों के लिए डिजर्व करता था. अपना तो अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से एक ही निवेदन है कि अब एक नया पुरस्कार पलटू पुरस्कार शुरू करो और हर साल का पुरस्कार ट्रंप जी को देते रहो क्योंकि उनके जैसा पलटू विश्व में दूसरा कोई नहीं है आज कुछ कहते हैं, कल कुछ और, और परसों कुछ और, इतनी तेजी से पलटने वाले के लिए पलटू पुरस्कार से बड़ा सम्मान और कोई नहीं हो सकता।

फाइनल के एसीएस संजय दुबे जी ने नगरीय निकायों के अफसरों की बैठक में साफ-साफ कह दिया कि आप लोगों द्वारा जो भी गड़बड़ियां की गई हैं उन सब की पूरी जानकारी उनके पास हैं उन्होंने बताया की एक नगरीय निकाय ने एक कचरे की गाड़ी दो लाख में खरीद ली वहीं दूसरी ने छह लाख में खरीदी, एक नगरीय निकाय ने फिनायल की बोलत पांच रुपए में खरीदी तो दूसरे ने एक फिनाइल की बोलत तेतीस हजार रुपए में खरीद ली, दो सौ एलईडी बल्ब की कीमत साठ लाख रुपए दे दी एसीएस साहब ने कहा कि बहुत जल्द गड़बड़ियां करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी, अब इन साहब को कौन समझाए कि क्वालिटी भी तो कोई चीज होती है आप किसी ढाबे में खाना खाओगे तो एक प्लेट दाल सौ रुपए में मिल जाएगा वहीं दाल किसी फाइव स्टार होटल में खाओगे तो एक से दो हजार की पड़ेंगी,

चलेगी हो सकता है किसी भी चीज को साफ करने में साधारण फिनायल में अगर चार बोटल लगती होगी तो तैंतीस वाली फिनाइल की एक बूंद ही चार चार फिनाइल की बोलतों के बराबर काम कर देती होगी इसलिए अपना तो एसीएस साहब से निवेदन है कि आप गड़बड़ियां देखने की बजाय उनकी क्वालिटी चेक करो और समझो कि वास्तव में कितनी हाई स्टैंडर्ड की चीज थी जो इन लोगों ने खरीदी थी अब थोड़ा बहुत कमीशन तो आजकल आम बात है इसलिए उसको इनोरे और और जांच पड़ताल बंद करो।

सुपरहिट ऑफ़ द वीक

दुश्मन की परिभाषा क्या है श्रीमान जी से उनको दोस्त ने पूछा किसी के किसी के साथ यदि विचार नहीं मिलते तो इसका मतलब ये नहीं है कि वे एक दूसरे के दुश्मन हैं वे पति पत्नी भी हो सकते हैं श्रीमान की ने समझाया।

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है- जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! वह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक ध्वास है, तब तक एक भी ध्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ़ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों का आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगाना ही चाहिए। और श्रम में लग जाने के बिना जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूँगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराग कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिस्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहाँ दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

मौत का मंत्री : स्पेन में ट्रेन हादसे के बाद बढ़ा बवाल



प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग

मैड्रिड

स्पेन में बुधवार, 28 अक्टूबर को भीषण रेल हादसा हुआ। इस हादसे में अब तक 68 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। ये घटना यूरोप के आधुनिक इतिहास की सबसे भीषण रेल दुर्घटनाओं में से एक है।

स्पेन में 9 महीने पहले भी हाई-स्पीड ट्रेनों के बीच टक्कर हुई थी, जिसमें 46 लोगों की मौत हुई थी। वहाँ फिर एक बार हुए इस भयानक हादसे से लोगों का गुस्सा सरकार के खिलाफ

फूट गया है।

हादसे के बाद हजारों लोग प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। स्पेनिश प्रसारक की रिपोर्ट के मुताबिक, रात भर में स्पेन की राजधानी मैड्रिड में परिवहन मंत्रालय की इमारत के बाहर करीब 1,500 लोग जमा हो गए और मंत्रियों को पद से हटाने की मांग करने लगे।

खबरों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर बोतलें और

फ्लेयरस (आतिशबाजी) फेंके, जिसके जवाब में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। फिलहाल, किसी के घायल होने या किसी की गिरफ्तारी की कोई खबर नहीं है।

स्पेन में हो रहे प्रदर्शनों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें देखी जा सकती हैं। प्रदर्शनकारी इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि प्रशासन ने इस हादसे को कैसे संभाला।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर भी दिखे, जिन पर लिखा थाअपराधी, 78 की व्यवस्था खत्म करो।

राजधानी में जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कार्रवाई की, तो उन्होंने ऑस्कर पुएंते (मौत का मंत्री) के नारे भी लगाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेन में आज रेल चालकों के भी हड़ताल पर जाने की आशंका है। स्पेनिश यूनियन ऑफ रेलवे इंडिवर्स का कहना है कि यह विरोध-प्रदर्शन रेलवे सुरक्षा के बचाव के लिए किया जा रहा है।

लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा

कैलिफोर्निया मतदान रोकने की कोशिश पर ट्रंप प्रशासन को अमेरिकी कोर्ट से फटकार

वाशिंगटन

अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग को अदालत से बड़ा झटका लगा है। लॉस एंजेलिस के फेडरल जज डेविड कार्टर ने ट्रंप प्रशासन की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें 20000 से अधिक पंजीकृत मतदाताओं के मेल बैलेट की गिनती पर रोक लगाने की मांग की गई थी। ट्रंप प्रशासन का दावा था कि ये मतदाता गैर-नागरिक हो सकते हैं।

फेडरल जज डेविड कार्टर ने अपने आदेश में तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिकी इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि चुनाव की पूर्व संध्या पर सरकार ने किसी राज्य पर अपनी मर्जी थोपने की कोशिश की हो। सुनवाई के दौरान जज कार्टर ने सख्त लहजे में कहा कि यदि कार्यपालिका बिना पुख्ता सबूतों के वोटों को खारिज



करती है और चल रहे चुनाव को खतरे में डालती है, तो हमारा लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा।जज ने चेतावनी दी कि ट्रंप प्रशासन के पक्ष में फैसला आने से चुनाव प्रक्रिया में भारी उथल-पुथल मच जाती और हजारों वैध मतदाताओं के वोटिंग अधिकार छिन जाते, जिसके लिए पीढ़ियों से संघर्ष किया गया है।

बता दें कि मामले में न्याय

विभाग का कहना था कि गैर-नागरिकों द्वारा मतदान को रोकने के लिए यह आपातकालीन कदम उठाना जरूरी है, ताकि कोई अवैध वोट न गिरे। फैसले के तुरंत बाद न्याय विभाग ने इस आदेश के खिलाफ 9वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में अपील कर दी है।वहीं दूसरी ओर डेमोक्रेट गढ़ माने जाने वाले कैलिफोर्निया राज्य ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा

कि राज्य में गैर-नागरिक मतदान को रोकने के लिए पुख्ता सुरक्षा उपाय हैं। कैलिफोर्निया सरकार ने कहा कि न्याय विभाग का डेटा सदिग्ध है और उनकी मांगों को मानने से असली और योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

गौरतलब है कि कैलिफोर्निया अकेला ऐसा राज्य नहीं है जहां ट्रंप प्रशासन ने चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश की है। इससे पहले अलास्का में न्याय विभाग ने एक सीनेट सीट के चुनाव परिणामों को प्रमाणित करने से रोकने की मांग की है। दूसरी तरफ वाशिंगटन में भी 400 ऐसे मतदाताओं के वोट न गिनने को न्याय विभाग ने इस आदेश के क़िया गया है कि वे नागरिक नहीं हैं। चुनाव अधिकारियों ने इस समय पर उठाए गए कदम को चुनाव परिणामों पर शक पैदा करने की साजिश बताया है।

साल 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे, अब 10 संचालित: योगी

लखनऊ, (वार्ता)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि है कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सड़क, रेल और हवाई संपर्क की स्थिति अच्छी नहीं थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे, जबकि अब 10 एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। इसी तरह, सात शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है और हवाई संपर्क का भी विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क केवल दूरियां कम नहीं करते, बल्कि सुविधा बढ़ाने, समय बचाने और समृद्धि के नए अवसर उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्ष 2017 से



पहले प्रदेश में विकास की इन जीवन रेखाओं की स्थिति दयनीय थी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने गति, व्यापकता और संपर्क के मंत्र के साथ इसमें बदलाव किया है।

योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में हवाई सेवाएं कुछ चुनिंदा शहरों तक सीमित थीं, जबकि अब 12 घरेलू और पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के माध्यम से हवाई संपर्क का विस्तार हुआ है। पहले प्रदेश के किसी भी शहर में मेट्रो सेवा नहीं थी, जबकि अब सात शहरों में मेट्रो

लोगों के आवागमन को सुगम बना रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर संपर्क सुविधाओं से किसानों की अपनी उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिल रही है और उद्यमियों के लिए कारोबार के नए अवसर खुल रहे हैं। इससे युवाओं की शिक्षा और रोजगार तक पहुंच आसान हुई है तथा कामकाजी लोगों के समय की बचत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन सुविधाओं के विस्तार से पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है, जिसका लाभ स्थानीय परिवारों की आजीविका को मिल रहा है। गांवों से कस्बों और कस्बों से शहरों तक संपर्क सुविधाओं में सुधार से नागरिकों के जीवन में बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में अवसरों का विस्तार, उद्यमों को प्रोत्साहन और परिवारों की खुशहाली नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की पहचान बन रही है।

बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाव का क्षेत्र बना, चक्रवाती

तूफान में बदलने की आशंका

चेन्नई, (वार्ता)। चक्रवाती तूफान अनंभ के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी में एक और नए निम्न दबाव के क्षेत्र के सक्रिय होने या फिर बनने की संभावना जताई है, जिसके अगले 24 घंटों में गहरे दबाव और अगले 48 घंटों में चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। आईएमडी ने बताया क गुरुवार सुबह बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र बना। यह लगातार बनने वाला चौथा कम दबाव का क्षेत्र है। इसके और तीव्र होने के आसार हैं। इसके चक्रवाती तूफान में बदलने और एक-दो नवंबर तक चेन्नई तट से टकराने की आशंका से भी इनकार नहीं किया गया है। आईएमडी के अनुसार अगर दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बना यह मौसमी चक्रवाती तूफान में बदलता है, तो इसके चेन्नई के निकट उत्तरी तमिलनाडु के तट को पार करने की संभावना है।

उधार बाल काटने से मना करने पर हिंदू व्यक्ति की हत्या, बांग्लादेश में फिर तनाव

ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में सामने आई दो अलग-अलग दिल दहला देने वाली घटनाओं ने वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बता दें कि पहली घटना मयमनसिंह जिले के भालुका उपजिला की है। यहां 43 वर्षीय हिंदू व्यक्ति रबेंद्र ऋषि की बेरहमी से चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी गई। रबेंद्र एक सैलून चलाते थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी सद्दाम अक्सर बिना पैसे दिए सैलून में बाल कटवाता था और ड्रग्स खरीदने के लिए रबेंद्र से जबरन पैसे भी मांगता था। मंगलवार शाम जब रबेंद्र ने उसे उधार में बाल काटने से इनकार किया, तो गुस्से में आकर सद्दाम ने उन पर तेजघात



हथियार से हमला कर दिया।

खुद को बचाने के लिए लहलुहान रबेंद्र भागकर पास ही आरोपी के पिता की दुकान और फिर एक घर के आंगन में पहुंचे, लेकिन आरोपी ने पीछा कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया और ताबड़तोड़ कई वार किए। अत्यधिक खून बहने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के पत्नी सुचित्रा ने बताया कि आरोपी काफी समय से उनके पति को परेशान और प्रताड़ित कर रहा था। यहां तक कि दुर्गा पूजा से पहले भी आरोपी ने

धमकी दी थी कि पूजा के बाद तुम्हें तुम्हारे पति की लाश मिलेगी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की पूछताछ जारी है।बता दें कि दूसरी घटना रंगपुर जिले के पीरगंज उपजिला के चक्र करीमपुर गांव की है। यहां सोमवार रात एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुए विवाद के बाद तीन हिंदू परिवारों के घरों में मजमक तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। ये घर तीन भाई- बिशु चंद्र महंता, जगदीश चंद्र महंता और दिनेश चंद्र महंता के थे।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर दागी 10 बैलिस्टिक

मिसाइल, सेना ने बढ़ाई निगरानी

टोक्यो। प्योंगयांग और सियोल के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच जापान और दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालयों ने बताया कि गुरुवार को उत्तर कोरिया से एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरियाई मंत्रालय ने बताया कि उसके पूर्वी तट से एक अज्ञात वस्तु (प्रोजेक्टाइल) दागी गई है। मंत्रालय ने इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी, जैसे कि किस तरह का हथियार दागा गया था। बाद में एएफपी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि लगभग 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर कोरिया से एक ऐसी वस्तु दागी गई है जो बैलिस्टिक मिसाइल हो सकती है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, एएफपी की ओर से अपडेट दिया जाएगा।

मिर्जापुर को दशक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो चुने जाने पर भावुक हुए अली फजल



बॉलीवुड अभिनेता अली फजल ने वेब सीरीज मिर्जापुर को पिछले दशक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो चुने जाने पर खुशी और भावुकता जाहिर करते हुए दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। अली फजल ने कहा कि गुडू पंडित के किरदार को मिला प्यार और पहचान उनके लिए हमेशा खास रहेगी। मिर्जापुर के पहले तीन सीजन ने दर्शकों के बीच खास लोकप्रियता हासिल की है। सीरीज में गुडू पंडित की भूमिका निभाने वाले अली फजल के अभिनय और किरदार के सफर को दर्शकों ने खूब पसंद किया। समय के साथ गुडू के व्यक्तित्व में आए बदलाव और उसके दमदार अंदाज ने इस किरदार को खास पहचान दिलाई।

अली फजल ने कहा, सच कहूँ तो मिर्जापुर को आज भी जिस तरह का प्यार मिल रहा है, उसे देखकर मैं बहुत भावुक हो जाता हूँ। जब हमने यह सफर शुरू किया था, तब हमें पता था कि हम कुछ खास बना रहे हैं, लेकिन हमने नहीं सोचा था कि यह शो और इसके किरदार लोगों के दिलों से इस तरह जुड़ जाएंगे। दर्शकों का गुडू पंडित को अपने घरों तक पहुंचाना और उसे घर-घर में पहचान दिलाना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा।

उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार लोगों की जिंदगी, बातचीत और यादों का हिस्सा बन जाता है, तो उस एहसास को शब्दों में बयां करना मुश्किल होता है। अली के मुताबिक, सीरीज को मिली पहचान और मिर्जापुर: द मूवी को दर्शकों से मिले शानदार प्रतिसाद ने इस सफर को और खास बना दिया है।

यादें के सेट पर इकबाल खान सभी के लिए लाते हैं चॉकलेट, केक और मिठाइयां: ज्योति तिवारी



सोनी सब के धारावाहिक यादें में सुहासिनी की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री ज्योति तिवारी ने कहा है कि सह-कलाकार इकबाल खान और गुल्की जोशी के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए बेहद सुखद रहा है।योति तिवारी ने बताया कि इकबाल खान सेट पर अक्सर सभी के लिए चॉकलेट, केक और मिठाइयां लेकर आते हैं, जबकि गुल्की जोशी अभिनय से जुड़े सुझाव देकर उनका मार्गदर्शन करती हैं। धारावाहिक की कहानी अब किछरी गांव पहुंच गई है। यहां ज्योति तिवारी का किरदार सुहासिनी उन ग्रामीणों में शामिल है, जो पहले उससे इलाज का चुके डॉ. देव का समर्थन करते हैं। योति ने कहा कि सह-कलाकारों के साथ नियमित रूप से काम करने से आपसी समझ और सहजता बढ़ी है। इससे दृश्यों को बेहतर ढंग से निभाने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, मुझे आज भी याद है कि मेरे पहले ही दिन इकबाल सर हमारे लिए चॉकलेट लेकर आए थे। वह आज भी सभी के लिए चॉकलेट, केक, मिठाइयां और कभी-कभी चिप्स भी लेकर आते हैं। उनके ये छोटे-छोटे प्रयास सेट का माहौल गर्मजोशी भरा और सहज बना देते हैं। गुल्की जोशी के बारे में उन्होंने कहा कि वह बेहद स्नेहपूर्ण हैं और किसी दृश्य को बेहतर बनाने के लिए सलाह मांगने पर धैर्यपूर्वक मार्गदर्शन करती हैं। ऐसे सह-कलाकारों के साथ काम करना सुखद होता है, जो सहज महसूस कराने के साथ जरूरत पड़ने पर मदद के लिए भी तैयार रहते हैं।

जन्मदिन पर करवा चौथ की तैयारी में जुटी कृति खरबंदा, पुलकित सम्राट के साथ साझा कीं तस्वीरें

अभिनेत्री कृति खरबंदा अपने जन्मदिन पर करवा चौथ की तैयारियों में जुटी नजर आईं।कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया पर मेहंदी लगवाते हुए अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह पति पुलकित सम्राट और अपने पालतू कुत्ते ड्रोगो के साथ खुशनुमा पल बिताती दिखाई दे रही हैं। कृति ने ईस्टग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में हल्के नीले रंग का परिधान पहना है। उनके चेहरे पर मुस्कान और हाथों में सजी मेहंदी त्योहार को लेकर उनके उत्साह को दर्शाती है। जन्मदिन और करवा चौथ का एक ही दिन पड़ने से यह अवसर उनके लिए खास बन गया है।

तस्वीरों के साथ कृति ने लिखा, करवा चौथ की वाइब्स। मेहंदी, खाना-पीना, परिवार के साथ मस्ती और इतना सारा प्यार। उन्होंने मेहंदी को उत्पुकता से देख रहे अपने पालतू कुत्ते ड्रोगो के हावभाव का भी जिक्र किया। तस्वीरों में पुलकित सम्राट भी कृति के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों इस खास मौके पर साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा की गई इन तस्वीरों में त्योहार की तैयारियों के साथ उनके पारिवारिक जीवन की झलक भी देखने को मिलती है। गौरतलब है कि कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट ने मार्च 2024 में मानेसर में शादी की थी। शादी के बाद से ही दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ बिताए खास पलों और त्योहारों की तस्वीरें साझा करते रहे हैं। कृति की इन तस्वीरों में जन्मदिन की खुशियों के साथ करवा चौथ की तैयारियों और पारिवारिक मेलजोल की झलक देखने को मिल रही है।



अनिल कपूर ने सुनाया मन्नत खरीदने का किस्सा कन्ह- शाहरुख का सपना था समुद्र के सामने बंगला हो

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने शाहरुख खान के बंगले मन्नतसे जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया कि शाहरुख का सपना समुद्र के सामने एक शानदार बंगला खरीदने का था, जिसे उन्होंने पूरा किया। अनिल कपूर ने यह भी बताया कि शाहरुख के वहां रहने आने से पहले उन्होंने इसी बंगले में अपनी फिल्म तेजाब की शूटिंग की थी।स्टार प्लस के शो इंडिया के टॉप 1% के आगामी एपिसोड में एक प्रतियोगी ने मुंबई में मन्नत जैसा समुद्र किनारे घर खरीदने



की इच्छा जताई। प्रतियोगी की खाहिश सुनकर अनिल कपूर को अपने करीबी दोस्त शाहरुख खान की याद आ गई। उन्होंने शाहरुख से अपनी पहली मुलाकात और वर्षों पुरानी दोस्ती के बारे में भी बताया। अनिल कपूर ने कहा, शाहरुख साहब और मैं कई सालों से बहुत अच्छे दोस्त हैं। मैं बेनाम बादशाह% की शूटिंग कर रहा था, तब वे मुझसे मिलने आए थे। जब मैंने उन्हें देखा और उनकी आंखों में देखा, तो मुझे लगा कि वे बहुत बड़े स्टार बनेंगे। वहाँ से हमारी जान-पहचान हुई और वक्त के साथ हमारी दोस्ती गहरी होती गई। शाहरुख के सपने का जिक्र करते हुए अनिल कपूर ने कहा, हम अक्सर कांटे रोड पर मिलते थे, जहां उनका एक फ्लैट था। उनका भी सपना था कि समुद्र के सामने एक शानदार बंगला हो और उन्होंने वह सपना पूरा किया। मुझे याद है, उन्होंने मेरे सामने ही मन्नत खरीदा था। उनके वहां रहने आने से पहले मैंने भी उसी बंगले में तेजाब की शूटिंग की थी। इंडिया के टॉप 1% का प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात आठ बजे स्टार प्लस पर होता है। यह शो जियोहॉटस्टर पर भी देखा जा सकता है।

आकाश श्रीवास्तव
कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, बैहर

निगम की जनसुनवाई में महापौर सख्त : एक एक प्रकरण पर हुई नागरिकों की सुनवाई

जनसमस्याओं के निराकरण में अधिकारियों की जवाबदेही, तय समय-सीमा में कार्रवाई कर आवेदकों को दें जानकारी



कटनी (स्वतंत्रमत)

नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं स्थायी निराकरण के उद्देश्य से 27 अक्टूबर मंगलवार को नगर पालिक निगम कटनी में महापौर प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। महापौर ने जनसुनवाई को केवल आवेदन प्राप्त करने की औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित न रखते हुए, शिकायतों के वास्तविक समाधान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का निराकरण केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संबंधित समस्या का स्थायी समाधान धरातल पर दिखाई देना चाहिए, ताकि आवेदकों को वास्तविक राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान पेयजल, ड्रेनेज, लोक निर्माण एवं आवास योजना सहित



विभिन्न विभागों से संबंधित नागरिकों के प्रकरण हुए। महापौर संजीव सूरी ने एक एक प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं की वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि जिन मामलों का निराकरण मौके पर संभव

है उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। वहीं, जिन प्रकरणों में विस्तृत कार्यवाही आवश्यक है, उनमें समय-सीमा के अंदर कार्रवाई करते हुए आवेदकों को राहत प्रदान की जाए। महापौर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी

समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में अनावश्यक विलंब न करते हुए नागरिकों की शिकायतों पर गंभीरता से कार्यवाही की जाए। उन्होंने पिछली जनसुनवाई में प्राप्त लंबित प्रकरणों की विभागावार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक आवेदन की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि लंबित मामलों पर गंभीरता से कार्यवाही की जाए और निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही और उसकी वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया जाए, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार निगम कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई की सार्थकता तभी है, जब शिकायतों पर समयबद्ध

कार्यवाही हो और उनके समाधान का वास्तविक लाभ संबंधित नागरिक तक पहुंचे। महापौर ने अधिकारियों एवं शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया कि नगर निगम से संबंधित प्रत्येक कार्य में नागरिकों की सुविधा और जनहित को प्राथमिकता दी जाए। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना और नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करना निगम प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से नागरिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने, शिकायतों को गंभीरता से सुनने और उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्यवाही करने की अपेक्षा की। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कार्यपालन यंत्री, शाखा प्रभारी एवं तकनीकी अमला उपस्थित रहा।



शक्ति की आराधना के साथ बिखरी गरबा की रंगीन छटा उत्साह और उमंग के साथ गरबा फेस्ट का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। गरबा फेस्ट एसएनजीएफ 2.0 का भव्य आयोजन रविवार 25 अक्टूबर को शांतिनगर वॉलीबॉल ग्राउंड में हर्ष, उल्लास एवं उत्साह के साथ संभूत हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों और दर्शकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने गरबा और डाँडिया की शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इस मौके पर अतिथि के रूप में पूर्व केडी, अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, पूर्व पार्षद राजकुमार माखीजा, समाजसेवी प्रेम बत्रा, समाजसेवी पंकज आहूजा, भीम लोहानी, राजकुमार बालानी, अर्जुन आसरानी, संजय खूबचंदानी, सुजय बजाज, महेश बसेरा आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों ने आदिशक्ति मां दुर्गा की आरती उतारकर पूजा अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान गरबा एवं डाँडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इनमें गरबा क्वीन, गरबा दिवा, गरबा प्रिंसेस, गरबा प्रिंस, डाँडिया रास, मोस्ट इनोवेटिव, ऑलराउंडर एवं एसएनजीएफ 2.0 आइकॉन जैसे विशेष खिताब शामिल रहे। इन पुरस्कारों के माध्यम से प्रतिभागियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उत्साह को प्रोत्साहित किया गया। आयोजक पीत बालानी एवं विक्रम बालानी के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव को सफल बनाने में एसएनजीएफ 2.0 की युवा टीम, स्वयंसेवकों, निर्णायक मंडल, एंकर, फोटोग्राफी पार्टनर तथा सभी प्रायोजकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों, दर्शकों, प्रायोजकों, सहयोगियों और एसएनजीएफ 2.0 की पूरी युवा टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में इस आयोजन को और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का संचालन अखिल रंगलानी ने किया एसएनजीएफ 2.0 का यह आयोजन गरबा, भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एक जुटता का सुंदर उदाहरण बना। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों की छटा देखने को मिली।

एससआई एवं यातायात कर्मियों की सजगता से चांडक चौक पर बड़ा हादसा टला



कटनी (स्वतंत्रमत)। अभिनय विश्वकर्मा पुलिस अधीक्षक, कमल मौर्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रवेश मिश्रा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के द्वारा मार्गदर्शन में अनूप सिंह निरीक्षक थाना प्रभारी यातायात की टीम कटनी चांडक चौक स्थित ब्रिज के पास एससआई संदीप वाल्मीक एवं यातायात कर्मियों की सजगता तथा बेरिकेडिंग के लिए लगाए गए स्टॉपर की वजह से एक बड़ा हादसा होत-होते टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक सवारी बस तकनीकी खराबी के कारण अनियंत्रित होकर चांडक चौक स्थित ब्रिज के पास पहुंच गई। गनीमत रही कि उस समय बस में कोई यात्री सवार नहीं था। मौके पर तैनात एससआई संदीप वाल्मीक एवं यातायात कर्मियों ने तत्काल स्थिति को भांपते हुए सतर्कता दिखाई और बेरिकेडिंग हेतु लगाए गए स्टॉपर की सहायता से बस को आगे बढ़ने से रोक लिया। इससे संभावित दुर्घटना टल गई और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

दीवाली के पहले मिटाई दुकानों की जांच

कटनी (स्वतंत्रमत)। उपभोक्ताओं को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण और नमूना लेने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में टीम ने कटनी और बहोरीबंद क्षेत्र के चार खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर मिलावट की आशंका के चलते विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किये खाद्य सुरक्षा विभाग



द्वारा दुर्गा चौक, खिरहनी कटनी स्थित न्यू बीकानेर मिष्ठान भंडार के गोदाम से खोया, खोया बर्फी, रसगुल्ला एवं नमकीन के नमूने लिए गए। इसी प्रकार बहोरीबंद के बाकल

स्थित चंचल होटल से कलाकंद, मिल्क केक एवं मगज लड्डू शुभाष होटल से खोया पेड़ा एवं मगज लड्डू तथा मां शारदा डेयरी से खोया एवं पनीर के नमूने संग्रहित किए गए हैं। संग्रहित नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर ही खाद्य पदार्थों की वास्तविक संरचना एवं गुणवत्ता के संबंध में निष्कर्ष निकाला जाएगा।

सनशाइन एकेडमी रायबाड़ा के बच्चों की ऊर्जा और उत्साह को नई दिशा देती आउटडोर गतिविधियाँ

कटनी (स्वतंत्रमत)। आज सनशाइन एकेडमी रायबाड़ा के बच्चों को आउटडोर एक्टिविटी के लिए डीपीएस ले जाया गया, जहाँ उन्हें स्विमिंग, स्केटिंग और ताइक्रांडो जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। इन गतिविधियों में भाग लेते समय बच्चे बेहद उत्साहित नजर आए और उन्होंने इनका भरपूर आनंद लिया। शिक्षिकाओं ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए



उन्हें स्विमिंग, स्केटिंग और ताइक्रांडो जैसी गतिविधियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से करने के लिए प्रोत्साहित किया। तैराकी एक बेहतरीन सर्वांगीण गतिविधि है, जो सहनशक्ति, मांसपेशियों की ताकत और हृदय संबंधी फिटनेस को बढ़ाने में सहायक होती है। तैराकी के दौरान शरीर की लगभग सभी मांसपेशियाँ सक्रिय रहती हैं, जिससे यह पूरे शरीर की अच्छी कसरत

बन जाती है। वहीं स्केटिंग बच्चों के संतुलन, एकाग्रता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती है। ताइक्रांडो बच्चों में शारीरिक फिटनेस, आत्मरक्षा के कौशल और मानसिक अनुशासन को विकसित करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली और अनुशासन का महत्व भी समझने का अवसर मिला।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन



कटनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में दिनांक 29 अक्टूबर को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, धार्मिक एवं

सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराने का प्रयास किया गया। सोमनाथ मंदिर भारतीय आस्था, अद्वैत श्रद्धा, साहस और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। इतिहास में



अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद इस मंदिर का पुनर्निर्माण भारतीय समाज की दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक चेतना को दर्शाता है। निबंध प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्राओं ने सोमनाथ मंदिर के इतिहास, भारतीय संस्कृति में उसके महत्व, राष्ट्रीय गौरव तथा भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस

प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं की लेखन क्षमता, विचार अभिव्यक्ति और ऐतिहासिक विषयों के प्रति समझ को प्रोत्साहित किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सोमनाथ मंदिर के इतिहास, धार्मिक महत्व, भारतीय संस्कृति एवं उससे संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों पर आधारित प्रश्न पूछे गए। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने ज्ञान

और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि से छात्राओं में जिज्ञासा, तार्किक सोच तथा ऐतिहासिक तथ्यों को जानने की रुचि विकसित हुई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्राओं की उपस्थिति रही। सभी ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम छात्राओं में भारतीय संस्कृति, इतिहास, परंपराओं और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा। इस प्रकार की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अपनी विरासत के प्रति सम्मान की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं।

कटनी में बदला मौसम का मिजाज

चक्रवाती तूफान ‘अर्णव’ का असर, झमाझम बारिश और तेज हवाओं से लुढ़का पारा

कटनी (स्वतंत्रमत)। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए चक्रवाती तूफान ‘अर्णव’ का असर अब देश के कई राज्यों के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। चक्रवात के प्रभाव से कटनी शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में मौसम का मिजाज अचानक पूरी तरह बदल गया है। आज सुबह से ही आसमान में घने बादलों का डेरा है, कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है और उन्डी व तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम में आए इस अचानक बदलाव के चलते न्यूनतम और अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। सुबह से चल रही सर्द हवाओं ने सिहरन बढ़ा दी है, जिससे लोगों को अब अक्टूबर के आखिरी दिनों में ही सर्दी का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस वेदर सिस्टम के कारण आने वाले दिनों में उंड का जोर और तेजी से बढ़ेगा। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, चक्रवाती तूफान ‘अर्णव’ का यह असर अगले 48 घंटों तक और प्रभावी रह सकता है। इस दौरान पूर्वी मध्य



प्रदेश, महाकौशल और विन्ध्य के कुछ जिलों में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। प्रशासन ने नागरिकों को बदलते मौसम के मद्देनजर स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। इस बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने स्थानीय किसानों को चिंताएं थोड़ी बढ़ा दी हैं। खेतों में पककर तैयार खड़ी फसल और कटाई के इंतजार में रखी उपजों पर इस मौसमी उलटफेर का प्रतिकूल असर पड़ सकता है, जिससे कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सतर्क रहने और अपनी उपज को सुरक्षित रखने की अपील की है।

सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में अभिभावक शिक्षक बैठक का सफल आयोजन



कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में विद्यार्थियों की अर्धवार्षिक परीक्षा एवं शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करने के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के परीक्षा प्रदर्शन, पढ़ाई, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास पर चर्चा करना था। बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। अभिभावकों ने शिक्षकों के प्रयासों, समर्पण एवं कड़ी मेहनत की सराहना की। यह बैठक अत्यंत सार्थक

एवं सकारात्मक रही, जिसमें विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या शबनम अख्तर भी उपस्थित रहीं। उन्होंने अभिभावकों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विद्यालय की इंचार्ज नाजनीन तौफीक ने भी बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें सफलता प्राप्त करने के लिए अपना आशीर्वाद और प्रोत्साहन प्रदान किया।

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद का शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजन

साइबर सुरक्षा, नशामुक्ति, महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा एवं संवैधानिक अधिकारों के प्रति 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

कटनी (स्वतंत्रमत)। युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने, उन्हें कानून एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयों से अवगत कराने तथा जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश पुलिस विभाग की संयुक्त पहल के अंतर्गत दिनांक 29 अक्टूबर को शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम के समन्वयक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार वाजपेयी, डीएसपी मुख्यालय कटनी रवेश



मिश्रा, थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखिलेश दाहिया, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक अनूप सिंह सहित विभिन्न विषयों की विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सामाजिक चुनौतियों, सुरक्षा उपायों एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं स्टाफ सहित 200

उपयोग, आपराधिक न्याय व्यवस्था, मानसिक स्वास्थ्य, आत्महत्या रोकथाम, संवैधानिक अधिकार एवं कानून की बुनियादी समझ जैसे विषय शामिल रहे। इसके साथ ही समावेशी समाज के निर्माण, चेरलू हिसा की रोकथाम, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज के विकास में युवाओं की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचने के उपायों, ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्कता, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराध की स्थिति में उचित कार्रवाई की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, नशे से दूर रहने, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के

प्रति संवेदनशील रहने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सज्जबूझ से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को समझाया कि जागरूकता, जिम्मेदारी और कानून के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षा संबंधी व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ उनमें सामाजिक संवेदनशीलता, नागरिक कर्तव्यों एवं कानून के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है।

भारत की नजर 4-0 की बढ़त पर

ऑकलैंड (वार्ता)

जब कोई टीम लगभग 200 रन बनाती है और फिर भी छह ओवर से ज्यादा बचे रहते हुए हार जाती है, तो सिर्फ गेंदबाजी पर ही नहीं, बल्कि पूरी रणनीति पर फिर से विचार करने की ज़रूरत होती है। न्यूज़ीलैंड को यह बात अच्छी तरह पता है, क्योंकि वे शुक्रवार को चौथे टी20 इंटरनेशनल में भारत का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं।

भारत की पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त

भारत पहले ही पाँच मैचों की सीरीज़ में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। लेकिन भारतीय टीम यह सुनिश्चित करना चाहेगी कि यह जीत सिर्फ अलग-अलग मैचों में उनके बेहतर प्रदर्शन का नतीजा न हो, बल्कि पूरी सीरीज़ के दौरान लगातार दबाव बनाए रखने की उनकी क्षमता को भी दर्शाए। तीसरे टी20 ने याद दिलाया कि आज के टी20 क्रिकेट में, 198 रन का स्कोर भी बहुत साधारण लग सकता है, जब विरोधी टीम भारत की तरह खुलकर और आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी करे। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत ने महज़ 13.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 199 रन बना लिए और 6 विकेट से जीत दर्ज की। इस दौरान न्यूज़ीलैंड के गेंदबाजों को एक हमले से संभलने का मौका भी नहीं मिला कि अगला हमला आ गया। अभिषेक शर्मा की 38 गेंदों पर 113 रनों की पारी ने लक्ष्य का पीछा करने के नज़ारे को ही बदल दिया। उन्होंने संभलकर खेलने के

न्यूज़ीलैंड को चाहिए समाधान



बजाय शुरुआत से ही चौके-छकों की बौछार कर दी, जिससे बल्लेबाजों के बजाय गेंदबाजों पर दबाव आ गया। वैभव सूर्यवंशी ने भी 19 गेंदों पर 45 रन बनाकर उनका शानदार साथ दिया।

न्यूज़ीलैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती अभिषेक

न्यूज़ीलैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अभिषेक को आउट कैसे करें, बल्कि यह है कि उन्हें खेल पर हावी होने से कैसे रोके। उनकी हर खराब गेंद बाउंड्री के पार जाती है, एक जैसी लेंथ वाली गेंदों की जमकर धुलाई होती है, और रक्षात्मक फील्डिंग लगाने का मतलब यही है कि बल्लेबाज़ पूरी तरह से खेल को नियंत्रित कर रहा है।

अनुशासित गेंदबाज़ी बहुत ज़रूरी

मेज़बान टीम को कोई ऐसा तरीका खोजना होगा जिससे भारत को रन बनाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़े। शुरुआती विकेट लेना मददगार हो सकता है, लेकिन इसके साथ ही अनुशासित गेंदबाज़ी और विविधताओं का इस्तेमाल भी बहुत ज़रूरी होगा। इतनी तेज़ी से रन बनाने में सक्षम बल्लेबाज़ी लाइन-अप के सामने, एक महंगा ओवर पिछले कई किफायती ओवरों की मेहनत पर पानी फेर सकता है। पिछले मैच में न्यूजीलैंड के 3 विकेट पर 198 रन यह दिखाते हैं कि भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के सामने भी चुनौतियां मौजूद हैं। हालांकि बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को मुश्किल से निकाल लिया, लेकिन गेंदबाजी यूनिट को अपने

प्रदर्शन में और सुधार करने की जरूरत होगी, खासकर आखिरी ओवरों में।

चौथा मैच टीम की गहराई को परखने का एक मौका

चूँकि सीरीज का नतीजा पहले ही तय हो चुका है, इसलिए भारत अपनी प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव करने के बारे में सोच सकता है। चौथा मैच टीम की गहराई को परखने का एक मौका है, हालांकि किसी भी बदलाव के समय इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि जीत की लय बनी रहे। इंडन पार्क की छोटी बाउंड्री एक बार फिर आक्रामक क्रिकेट को बढ़ावा दे सकती हैं, लेकिन एक रोमांचक मुकाबला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या न्यूजीलैंड भारतीय बल्लेबाजों को आसानी से शांत खेलने का मौका देने के बजाय, उन्हें बाउंड्री हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने पर मजबूर कर पाता है या नहीं।

भारत के लिए लक्ष्य एकदम साफ है

एक और जीत और 4-0 की बढ़त। न्यूजीलैंड के लिए चुनौती कहीं अधिक बड़ी है। उन्हें यह साबित करना होगा कि पिछली हार महज एक अपवाद थी, न कि इस बात का सबूत कि वे भारत की बल्लेबाजी ताकत को रोकने में लगातार नाकाम हो रहे हैं। इसलिए, चौथा टी 20 मैच सिर्फ सीरीज के स्कोरकार्ड तक सीमित नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या न्यूजीलैंड आखिरी मैच से पहले कोई समाधान निकाल पाता है और क्या भारत बड़े स्कोर को भी इतनी आसानी से हासिल करना जारी रख पाता है।

पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन दूसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली (वार्ता)

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन बुधवार को हाइलो ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए, जो सारलैंडहाले में भारतीय शटलरों के लिए एक उपयोगी दिन था। दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु, जो पिछले हफ्ते फ्रांस में उपविजेता रही थीं, को अपने शुरुआती महिला एकल मैच में यूआई की प्रकृति भरत को 21-10, 21-10 के स्कोर से हराने के लिए सिर्फ 28 मिनट की जरूरत पड़ी। पुरुष एकल में सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन को फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ को एक घंटे से अधिक समय में 16-21, 21-9, 21-13 से हराने के लिए एक गेम से पिछड़ने के बाद कड़ी मेहनत करनी पड़ी। इस बीच, किरण जॉर्ज ने मलेशिया के चीम जून वेई को 21-18, 21-17 से हराया। हालांकि, पुरुष एकल के शुरुआती मैच में एचएस प्रणय छठी वरीयता प्राप्त फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से 23-21, 21-16 से हार गए। थारुन मन्नेपल्ली और शंकर



सुब्रमण्यम क्रमशः चीनी ताइपे के ची यू जेन और फिनलैंड के काले कोलजोनेन से हारकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। आयुष शेठ्टी को भी जर्मनी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन के दौरान लगी चोट के कारण उन्होंने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही अपना नाम वापस ले लिया। महिला एकल में, छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुडा ने भी चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 17-21, 21-12, 21-11 से हरा दिया। इशरानी बरूआ ने जर्मनी की मिरांडा विल्सन को

मुंबई इंडियंस ने मलिंगा, म्हाम्ब्रे से नाता तोड़ा

मुम्बई (वार्ता)। मुंबई इंडियंस ने गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा, पाशा म्हाम्ब्रे और फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन से नाता तोड़ लिया है। मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने से अलग होने के कुछ दिनों बाद, मुम्बई इंडियंस ने कुछ अन्य लोगों को जाने दिया है। कोरोन पोलार्ड को हाल ही में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस परिवार का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और फ्रेंचाइजी के इतिहास में सबसे प्रतिष्ठित शिष्ययुवकों में से एक हैं। एमआई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने और चार आईपीएल खिताब जीत और 2011 चैंपियंस लीग टी20 जीत में एक निर्णायक भूमिका निभाने से लेकर एक सलाहकार और कोच के रूप में वापसी तक, लसिथ की एमआई के साथ यात्रा वास्तव में विशेष रही है। उनके जूनून, प्रतिस्पर्धी भावना और टीम के प्रति प्रतिबद्धता ने खिलाड़ियों को पीढ़ियों को प्रेरित किया है। उनकी विरासत हमेशा मुंबई इंडियंस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी रहेगी। 2024 में भारत की टी-20 विश्व कप जीत का हिस्सा बनने के तुरंत बाद म्हाम्ब्रे गेंदबाजी कोच के रूप में एमआई में आये थे। उन्होंने आईपीएल के दो सत्रों के लिए एमआई में अपनी भूमिका निभाई और यहां तक कि उन्हें एमआई अमीरात का गेंदबाजी कोच भी नियुक्त किया गया था।

जोकोविच ने कड़े संघर्ष में हम्बर्ट को हराया

बासेल (वार्ता)

नोवाक जोकोविच ने बुधवार दोपहर स्विस् इंडोर्स बासेल में साल के अंत की अपनी महत्वपूर्ण चुनौती की शुरुआत की। उन्होंने कड़े संघर्ष के बाद फ्रांस के बाएं हाथ के खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। 2011 के बाद पहली बार इस एटीपी 500 इवेंट में खेल रहे जोकोविच को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, 39 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरकार अपनी लय हासिल की और जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 की यह जीत, जो 2 घंटे 26 मिनट तक चली, निट्रो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी कोशिश में अहम साबित हो सकती है। जोकोविच एटीपी लाइव रैस ट टूर्यूरिन में 11वें स्थान पर हैं। वह नौवें स्थान पर मौजूद राफेल जोडर से 319 अंक पीछे हैं,



जो बासेल में दूसरे राउंड में भी पहुंच चुके हैं। जोकोविच ने कहा, यह बहुत ही कड़ा मुकाबला था, शुरुआत से ही काफी तीव्र। वह गेंद को बहुत अच्छे से हिट कर रहे थे, काफी आक्रामक थे और मुझे संभलने का मौका नहीं दे रहे थे। पहले ही पॉइंट से मुझ पर दबाव था। मुझे इस मुश्किल दौर से निकलना था, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में मुझे अपनी लय मिल गई। इसके बाद, मैं उनके खेल की गति के साथ थोड़ा और सहज महसूस करने

लगा। कुल मिलाकर, यह एक बहुत बड़ी चुनौती थी। आज एक मुश्किल मुकाबले में, मैं समाधान खोजने में सफल रहा। पहले दौर के इस मुकाबले में, हम्बर्ट ने अपने दमदार बाएं हाथ के फोहैंड और बहुत ही सपाट ग्राउंडस्ट्रोक से अपने बहुत ही परेशान किया। लंबे क्रॉसकोर्ट रैलियों के दौरान सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच को इन शॉट्स का सामना करने में काफी दिक्कत हुई। लेकिन जोकोविच - जो इन्डोर कोर्ट पर अपने शानदार खेल के लिए जाने जाते हैं - धीरे-धीरे मुकाबले में वापस लौटे। दूसरे सेट में अपने पहले रिटर्न गेम में उन्होंने हम्बर्ट की सर्विस तोड़ी और एक जोरदार दहाड़ लगाई। इसके बाद उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ियों के खिलाफ

अपनी लगातार 33वीं जीत की ओर कदम बढ़ा दिए। हम्बर्ट, जिन्होंने अपने सात एटीपी टूर खिताबों में से चार इन्डोर कोर्ट पर जीते हैं, ने अपनी पीठ के निचले हिस्से के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया। हालांकि, जोकोविच ने अपना लय पा लिया था। चौथे वरीयता प्राप्त जोकोविच को रोकना हम्बर्ट के लिए और भी मुश्किल हो गया, क्योंकि जोकोविच ने लॉक-डाउन मोड अपना लिया और कोर्ट के काफी पीछे से रक्षात्मक स्थिति में खेलेते हुए लगातार कई अंक जीते। इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में एटीपी 500 इवेंट जीतने के बाद, जोकोविच ने निट्रो एटीपी फाइनल्स के लिए रिकॉर्ड 19वीं बार क्वालीफाई करने की अपनी दवेदारी मजबूत कर ली है। इसके साथ ही, उन्होंने बासेल टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड भी स्वीकार कर लिया है।

गोयल ने देश के औद्योगिकी परिदृश्य में बदलाव के लिए नवाचार पर बल दिया

नई दिल्ली (वार्ता)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश के औद्योगिक परिदृश्य की कायाकल्प के लिए उत्पाद की गुणवत्ता, बड़े पैमाने पर उत्पादन, वैश्विक बाजारों तक पहुंच और समावेशिता के आधार पर आगे बढ़ने की रणनीति की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार के लिए सरकार, निजी क्षेत्र और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलना चाहिए। यहां इंस्टिट्यूट ऑफ स्टडीज ने इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और इंडिया डाय रिसेर्च अकादमी



द्वारा आयोजित देश के औद्योगिक रूपांतरण पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त विनिर्माण राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। श्री गोयल ने गुणवत्ता, वैश्विक बाजारों तक पहुंच, बड़े पैमाने पर उत्पादन और समावेशिता को चार प्रमुख विशेषताओं के रूप में रेखांकित किया, जो देश के औद्योगिक परिदृश्य के रूपांतरण को गति दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि

गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शून्य दोष, शून्य प्रभाव के सिद्धांत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से दुनिया भर के बाजारों के खुलने के साथ भारत को बाजार हिस्सेदारी हासिल करने, वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने और तरजीही बाजार पहुंच का लाभ उठाने के लिए प्रतिस्पर्धी बननी चाहिए। भारत की व्यापार नीति के संदर्भ में उन्होंने कहा कि देश के व्यापार समझौते केवल

शुल्कों में कटौती, उत्पत्ति के नियम निर्धारित करने या बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं हैं। ये व्यापक साझेदारियाँ हैं, जिनमें भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं को ध्यान में रखा जाता है, निर्यात के अवसरों की पहचान की जाती है, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा की जाती है तथा भारत के विकास के लिए आवश्यक उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग, यूनिट्स, मेमोरी प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रौद्योगिकी और अन्य वस्तुओं तक पहुंच सुगम बनाई जाती है।

महंगे होंगे एआई+ स्मार्टफोन

भोपाल। एआई+ स्मार्टफोन ने 15 नवंबर 2026 से अपने पोर्टफोलियो के चुनिंदा मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है। खासकर कम कीमत वाले स्मार्टफोन सेगमेंट में लागत का दबाव लगातार बना हुआ है। एआई+ स्मार्टफोन अब तक इस दबाव के असर का आकलन करते हुए ग्राहकों के लिए फोन की कीमतें किफायती बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। हालाँकि, बढ़ती लागत के चलते कंपनी ने कीमतों में एक बार फिर सीमित बढ़ोतरी करने का फैसला किया है, ताकि फोन की कीमतों को किफायती बनाए रखने के साथ ग्राहकों को बेहतर अनुभव भी दिया जा सके। कीमतों में 3,000 रुपए तक की बढ़ोतरी होने वाली है। ऐसे में, ग्राहक 14 नवंबर तक अपने पसंदीदा एआई+ स्मार्टफोन मौजूदा कीमतों पर खरीद सकते हैं। नई कीमतों के तहत एआई+ पल्स 2 एफई, पल्स 2, नोवा 2 5जी, नोवा 2 नियो 5जी, नोवा 2 पावर 5जी, नोवा 2 प्रो 5जी और नोवा 2 अल्ट्रा 5जी के चुनिंदा वैरिएंट्स 1,000 से 3,000 रुपए तक महंगे होंगे।

घरेलू अर्थव्यवस्था की गतिविधियों में दूसरी तिमाही में भी विस्तार जारी : रिपोर्ट

नई दिल्ली (वार्ता)

वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी अक्टूबर, 2026 की मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष के पहली तिमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की अनुमान से अधिक मजबूत वृद्धि के बाद दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में विस्तार जारी रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में परिस्थितियों की अस्थिरता को देखते हुए नीति नियामकों को घरेलू स्तर पर व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आगे सतर्कता बनाए रखनी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि



चालू वित्त वर्ष में पहली तिमाही की पूर्वानुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि के बाद, दूसरी तिमाही में भी आर्थिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। इसे देखते हुए कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने 2026-27 के लिए अपने विकास अनुमानों में वृद्धि की है। अब ये अनुमान मोटे तौर पर सात प्रतिशत के आसपास हैं। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के वास्तविक समय के अनुमानों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहे का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है, घरेलू मांग, निवेश गतिविधियों और संरचनात्मक सुधारों से वर्ष के शेष भाग में आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हाल ही में किए गए वस्तु एवं सेवा कर संबंधी प्रक्रियागत सुधारों से व्यवसायों के लिए अनुपालन संबंधी बोझ और कार्यशील पूंजी की बाधाएं और कम होंगी।



तेलंगाना से ऑस्ट्रेलिया के लिए जीआई-टैग प्राप्त तंदूर तूर दाल का पहला निर्यात

नई दिल्ली (वार्ता)। जीआई-टैग प्राप्त तंदूर तूर दाल की पहली निर्यात खेप को तेलंगाना से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना कर दिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 2.5 टन की यह पहली निर्यात खेप तेलंगाना की इस विशिष्ट दाल का अनूठा स्वाद ऑस्ट्रेलियाई घरों तक पहुंचाएगी। श्री गोयल ने कहा, भारत के जीआई उत्पाद दुनिया का दाल जीत रहे हैं। हमारे किसान और निर्यातक भारत के प्रामाणिक कृषि उत्पादों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग का प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ उठा रहे हैं। गौरतलब है कि तेलंगाना के विकाराबाद/तंदूर क्षेत्र में उगाई जाने वाली तंदूर तूर दाल या अरहर की दाल अपनी विशेष गुणवत्ता, गहरे रंग, उच्च प्रोटीन सामग्री और पकाने के बाद प्राप्त होने वाले विशिष्ट स्वाद के लिए जानी जाती है। इस दाल को पूर्व में ही भौगोलिक संकेत टैग प्रदान किया गया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए इस पहली खेप के निर्यात को देश के कृषि निर्यात विस्तार और किसानों की आय में वृद्धि के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

शेयर बाजार में लिवाली का जोर सेंसेक्स 905 अंक उछला

निफ्टी में 238 अंक का सुधार

मुंबई (वार्ता)

शेयर बाजारों में पिछले कुछ दिनों में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित कारोबार के बाद गुरुवार को चौतरफा लिवाली का दौर चल निकला और प्रमुख सूचकांक गिरावट के दौर से उबर कर एक से सवा प्रतिशत लाभ में बंद हुए। बैंक और आईटी शेयरों को आज जोरदार समर्थन देखा गया। विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम एशिया में शांति बहाली के प्रयासों से तेल बाजार में नरमी तथा भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिविधियों में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में तेजी बने रहने की वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट से भी बाजार की धारणा मजबूत हुई है। बीएसई का 30 प्रमुख शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआत में हल्की गिरावट के बाद लगातार तेजी बनाए रखते हुए बुधवार की तुलना में 905.01 अंक यानी 1.24 प्रतिशत बढ़ कर 74,151.04 पर बंद हुआ। कल बाजार 73,246.03 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स सुबह 73,268.47 खुल कर ऊपर



में 74,166.16 और नीचे में 73,181.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 237.90 अंक (1.05 प्रतिशत) बढ़त के साथ 22,936.75 अंक पर बंद हुआ। सुबह 22,690.65 पर खुलने के बाद यह ऊपर में 22,961.95 और नीचे में 22,656.75 तक गया था। बीएसई बैंकेक्स 718.48 पर 712.15 अंक यानी (1.17 प्रतिशत) और बीएसई आईटी सूचकांक 38,161.84 पर 357.85 अंक यानी (0.95 प्रतिशत) लाभ में बंद हुआ। बीएसई के 20 में से 26 शेयर लाभ में रहे।

गिरावट में रहे शेयरों में एचडीएफसी बैंक, टैक महिंद्रा, मारुति और 5.17 प्रतिशत के अछा नों पोर्ट का शेयर 2.1 प्रतिशत के तगड़े लाभ के साथ बंद हुआ। कोटक बैंक, पावर ग्रिड, इटरनल ,बजाज फाइनेंस, एसबीआई, हिंदुस्तान लीवर और एनटीपीसी जैसे शेयरों को भी निवेशकों का अच्छा समर्थन मिला। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वेल्थ मैनेजमेंट विभाग के अनुसंधान प्रभाग के प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने बाजार की दशा और

दिशा पर टिप्पणी करते हुए कहा, च् अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की संभावनाओं, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान में बढ़ोतरी के बाद घरेलू आर्थिक विकास की बेहतर होती संभावनाओं तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की रुक-रुककर हो रही खरीदारी के समर्थन से भारतीय शेयर बाजार की स्थिति में सुधार जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की नई उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को यथावत रखा, क्योंकि वह मौद्रिक नीति में आगे कोई बदलाव करने से पहले आगामी आर्थिक आँकड़ों का इंतजार कर रहा है। निवेशकों की नजर अमेरिका के आज जारी किये जाने वाले आर्थिक वृद्धि और श्रम बाजार से जुड़े आंकड़ों पर रहेगी। शुक्रवार की यूरोमोड क्षेत्र के जीडीपीऔर बेरोजगारी संबंधी आंकड़े तथा बैंक ऑफ जापान का मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय जारी किये जाने वाले हैं। इधर, घरेलू मोर्चे पर वित्त मंत्रालय

ने 2026-27 की दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.35 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले के 7.3 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा अधिक है। इस वृद्धि को औद्योगिक उत्पादन, ऊर्जा खपत, बंदरगाहों पर माल ढुलाई गतिविधियों, जीएसटी संग्रह और ऑटोमोबाइल बिक्री से समर्थन मिला है। कल बाजार बंद होने के बाद जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश कीऔद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर अगस्त के 8 प्रतिशत से घटकर सितंबर में 6.7 प्रतिशत रह गई। विनिर्माण क्षेत्र तथा बिजली और गैस आपूर्ति इस वृद्धि में प्रमुख योगदान देने वाले क्षेत्रों में शामिल रहे। सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत (डीआर) से 3 प्रतिशत अंक की वृद्धि को मंजूरी दी है जो पहली जुलाई से प्रभावी मानी जाएगी। इस वृद्धि से सरकार पर सालाना 10,016.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आने का अनुमान है। इससे परिवारों की खर्च योग्य आय में मामूली वृद्धि हो सकती है और उपभोग व्यय को प्रोत्साहन मिल सकता है।

मप्र में मुफ्त रजिस्ट्री योजना में फंसा पेंच

अब ग्राम पंचायतों से नो ड्यूज लेने की सिफारिश, राजस्व विभाग को लिखा पत्र

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में आबादी की सरकारी भूमि पर काबिज ग्रामीणों को पहले पट्टा और अब मुफ्त रजिस्ट्री कराकर देने की राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में नया पेंच सामने आया है। पंचायत राज संचालनालय ने आयुक्त भू-संसाधन एवं प्रबंधन को पत्र लिखकर कहा है कि रजिस्ट्री से पहले ग्राम पंचायत से नो ड्यूज या एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) लेने के मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। यह पत्र मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद, नई दिल्ली की ओर से पंचायत राज संचालनालय को लिखी गई चिट्ठी के आधार पर जारी किया गया है। प्रदेश में 17 सितंबर से स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना शुरू की गई थी। हालांकि, पटवारियों को निष्पादक (एक्जीक्यूटर) बनाए जाने पर कानूनी विवाद के चलते पटवारियों ने तीन हफ्ते तक काम नहीं किया था। इसके बाद राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि इस योजना में काम करने वाले किसी



पटवारी के विरुद्ध न्यायालय में चालान की कार्रवाई के लिए सरकार अभियोजन स्वीकृति नहीं देगी। इसके बाद पटवारियों ने काम शुरू किया। पिछले दस दिन में रजिस्ट्री कराने की प्रक्रिया तेज हुई है। प्रदेश के सभी जिलों में स्वामित्व योजना के हितग्राहियों के नाम पर रोज एक लाख से अधिक रजिस्ट्रियां होने लगी हैं। इसी बीच पंचायत राज संचालनालय का पत्र राजस्व विभाग तक पहुंच गया है। पत्र में कहा गया है कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत आबादी भूमि की रजिस्ट्री से पहले ग्राम पंचायत से नो ड्यूज या एनओसी अनिवार्य किए जाने की मांग मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद, नई दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर ने की

है। सेंगर का कहना है कि एनओसी अनिवार्य किए जाने से पंचायतों की आमदनी बढ़ेगी और आय के नए स्रोत बनेंगे। इस पर पंचायत राज संचालनालय के संचालक छोटे सिंह ने आयुक्त भू-संसाधन एवं प्रबंधन से कहा है कि स्वामित्व योजना से संबंधित काम राजस्व विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसलिए विभाग इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करे।

कर वसूली तेज होने की उम्मीद-मुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री को भी मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद से संबद्ध अखिल भारतीय पंचायत परिषद की ओर से पत्र दिया गया है। इसमें कहा गया है कि रजिस्ट्री कराने वाले हितग्राहियों से एनओसी

अब तक इतनी रजिस्ट्रियां हुईं					
छिंदवाड़ा	36,982	इंदौर	16,708	टीकमगढ़	8,562
राजगढ़	33,130,	कटनी	16,025	आगर-मालवा	8,202
सागर	29,543	खंडवा	15,700	पन्ना	7,957
छतरपुर	27,119	नर्मदापुरम	15,144	बुरहानपुर	7,408
शिवपुरी	26,022	रीवा	15,063	दतिया	6,825
नरसिंहपुर	24,919	शाजापुर	14,587	मैहर	5,848
उज्जैन	24,576	गुना	13,446	भोपाल	5,318
सिवनी	24,430	देवास	13,179	निवाड़ी	5,122
बालाघाट	22,795	ग्वालियर	12,200	झाबुआ	4,974
रायसेन	22,366	डिंडौरी	11,847	पांडुर्या	4,616
विदिशा	22,093	दमोह	11,400	सीधी	3,274
जबलपुर	21,523	हरदा	11,388	सिंगरौली	2,258
धार	19,904	अशोकनगर	11,207	शहडोल	1,849
बैतूल	19,843	खरगोन	10,542	आलीराजपुर	1,734
सीहोर	19,759	भिंड	10,496	उमरिया	1,576
नीमच	19,511	बड़वानी	10,149	अनूपपुर	1,347
मंदसौर	19,335	रतलाम	9,847	मऊगंज	1,042
सतना	17,156	मुरैना	9,700		
मंडला	16,719	श्यापुर	8,665		

ली जाए। इसके जरिए यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित हितग्राही पर संपत्ति कर बकाया नहीं है। आवास योजना का ऋण भी बकाया नहीं है। साथ ही, जिस भूमि की रजिस्ट्री कराई जा रही है, वह सार्वजनिक या अतिक्रमित भूमि नहीं है। परिषद का मानना है कि इससे पंचायतों की आय बढ़ने के साथ संपत्ति कर की वसूली भी तेज

होगी।
50 लाख रजिस्ट्रियां होनी हैं प्रदेश में 27 अक्टूबर तक 7 लाख 62 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां की जा चुकी हैं। अभियान के अंतर्गत अब हर दिन एक लाख से अधिक नि:शुल्क रजिस्ट्रियां की जा रही हैं। योजना के माध्यम से प्रदेश के 40 हजार से अधिक गांवों के लगभग 50 लाख

परिवारों को नि:शुल्क रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्पष्ट कानूनी अधिकार मिलने के साथ ही बैंक से ऋण लेने का अवसर भी मिलेगा। प्रदेश में सबसे अधिक 36,982 रजिस्ट्रियां छिंदवाड़ा जिले में हुई हैं। राजगढ़ 33,130 रजिस्ट्रियों के साथ दूसरे और सागर 29,543 रजिस्ट्रियों के साथ तीसरे स्थान पर है।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री यादव से की सौजन्य भेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मध्यप्रदेश प्राकृतिक संपदा, समृद्ध वन संपदा और जैव-विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य में पर्यावरण संरक्षण, वन क्षेत्रों के संवर्धन, वन्य जीवों के संरक्षण तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जन संवाद एवं उद्यम संवाद कार्यक्रम शिविर आज दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शासन के दिशा निर्देशों के पालन के लिए कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने 30 अक्टूबर को जनपद पंचायत पटेरा की चिन्हित 27 ग्राम पंचायतों में भ्रमण एवं निरीक्षण के लिए अधिकारियों को द्यूटी निर्धारित की है। जारी आदेशनुसार संबंधित अधिकारी 30 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से निर्धारित ग्राम पंचायतों में उपस्थित होकर ग्रामीणों से संवाद करेंगे। इस दौरान ग्राम पंचायतों में स्थित एवं संचालित शासकीय कार्यालयों तथा संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाएगा। अधिकारियों को यह कार्यवाही दोपहर 2:30 बजे तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके पश्चात सभी संबंधित अधिकारियों को ग्राम पंचायत कुम्हारी के सिंघवाहिनी प्रांगण में आयोजित होने वाले जन संवाद एवं उद्यम संवाद कार्यक्रम शिविर में उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खाद की किफ़्लत से बोवनी पर संकट फसल बर्बादी का मुआवजा भी नहीं मिला



दमोह (स्वतंत्र मत)। रबी की बोवनी के बीच खाद की कमी और खरीफ फसलों के नुकसान का मुआवजा नहीं मिलने की शिकायतों के साथ अब स्मार्ट मीटर का मुद्दा भी उठया गया है। पथरिया कांग्रेस पार्टी द्वारा कलेक्टर दमोह के नाम दिए गए आवेदन में किसानों की समस्याओं को उठाते हुए डीएपी.यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता, फसल नुकसान का मुआवजा और स्मार्ट मीटर लगाने

पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।
खाद के लिए भटक रहे किसान-एक आवेदन के अनुसार चना मसूर सरसों और गेहूं की बोवनी का समय चल रहा है लेकिन डीएपी और यूरिया की कमी से किसान परेशान हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था के बावजूद स्थानीय किसानों को खाद के लिए दूसरे ब्लॉकों तक जाना

पड़ रहा है। किसानों ने समय पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन में अत्यधिक बारिश से खरीफ की सोयाबीन, मूंग और उड़द की फसलों को करीब 80 प्रतिशत तक नुकसान होने का दावा किया गया है। आवेदनकर्ताओं के अनुसार सर्वे के बाद मुआवजा देने का आश्वासन मिला था लेकिन अब तक राहत राशि और फसल बीमा का लाभ नहीं मिलने की शिकायत है। उन्होंने पात्र किसानों को जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की है। वहीं स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली बिल कई गुना बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि इससे गरीब और आम उपभोक्ताओं को भुगतान में परेशानी हो रही है। कांग्रेस पार्टी ने स्मार्ट मीटर लगाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

फुटपाथ पर दुकानें लगाने और सड़क पर सामान रखने से यातायात बाधित न हो: कलेक्टर दमोह (स्वतंत्र मत)।

दीपावली पर्व के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने संबंधित अधिकारियों को सड़क के गड्ढों की मरम्मत कराने तथा शहर में व्यवस्थित पार्किंग को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि खासतौर पर मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा सभी नागरिकों को सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। सड़कों पर जहां भी गड्ढे हैं, उन्हें समय पर भरवाया जाए। पुलों में कई स्थानों पर सरियाखू तार निकले होने की शिकायतें मिली हैं जिनका निराकरण कर सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। दीपावली के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए चयनित तीन नए पार्किंग स्थलों को चालू कराने के लिए नगरपालिका सीएमओ को निर्देशित किया गया है।कलेक्टर ने कहा फुटपाथ पर दुकानें लगाने से यातायात प्रभावित होता है और जाम की स्थिति निर्मित होती है। इसे व्यवस्थित करने के लिए दुकानदारों को तहसील परिसर में दुकानें लगाने की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे अपनी दुकानों की निर्धारित सीमा तक ही सामान रखें और सड़क पर सामान फैलाकर न रखें ताकि आम नागरिकों को असुविधा न हो तथा यातायात सुचारु बना रहे।

बंधपत्रित चिकित्सकों के सेवाभाव से सुदृढ़ होंगी स्वास्थ्य सेवाएं : शुक्ल



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कटनी, मैहर एवं सतना जिले के नवपदस्थ बांड डॉक्टर्स से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कटनी, मैहर एवं सतना जिले में पदस्थ नवपदस्थ बांड डॉक्टरों से संवाद किया। उन्होंने चिकित्सकों को ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और आम नागरिकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को नवपदस्थ बांड डॉक्टरों को स्वास्थ्य सेवाओं,

प्रागतिरत कार्यक्रम एवं जिम्मेदारियों के विधिवत निर्वहन के लिए ओरिएंटेशन प्रदान करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सक स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बांड डॉक्टर अपने सेवाकाल में पूरी प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता एवं सेवाभाव के साथ दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

उन्होंने चिकित्सकों को शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, जांच सेवाओं, एंबुलेंस एवं रेफरल व्यवस्था तथा शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने

पर जोर दिया। साथ ही एनोमिया मुक्त भारत, टीबी मुक्त भारत, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच एवं सुरक्षित प्रसव जैसे प्राथमिकताओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य संस्थाओं की नियमित निगरानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा मासिक निरीक्षण तथा विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा साप्ताहिक निरीक्षण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

CHANGE OF NAME

I, ABDUL MALIK ANSARI S/O MUSTAQ AHMAD ANSARI DECLARE THAT MY MINOR DAUGHTER WAS KNOWN AS AZZA SHERIN, I HAVE CHANGED THE SPELLING OF HER FIRST NAME AND HENCEFORWARD SHE SHALL BE KNOWN AS AZZA SHIREEN ANSARI D/O ABDUL MALIK ANSARI RESIDENT OF 444/1,PARVEEN PARSHAD KI GALI,BENI SINGH KI TALIYA, ASHFAQULLA KHAN WARD,JABALPUR, 482001, MADHYA PRADESH.

हर 3 किलोमीटर पर है मिडिल स्कूल : राज्यमंत्री पटेल

पथरिया में आयोजित हुआ युवा संवाद कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रदेश में अब हर 3 किलोमीटर के दायरे में एक मिडिल स्कूल और हर 5 किलोमीटर के अंदर एक हाई स्कूल खोला गया है। इसके साथ ही हर चार हाई स्कूलों के बीच में एक हायर सेकेंडरी स्कूल की स्थापना की

गई है ताकि बच्चों को शिक्षा के लिए पर्याप्त सुविधा मिल सके। इस आशय की बात आनंद विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने पथरिया कॉलेज आडोटेरियम के हॉल में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कही। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा आज किसी भी स्कूल में जाकर देखा जा सकता है कि वहां पढ़ने वाले बच्चों



में बेटियों की संख्या हमेशा ज्यादा मिलती है। उन्होंने कहा पढ़ाई और शिक्षा व्यवस्था पर जितना ध्यान इस सरकार ने दिया है, उतना ध्यान पहले करी नहीं दिया गया। युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए उन्होंने कहा स्कूल और कॉलेज में यह सभी बेहतर व्यवस्थाएं इसलिए दी जा रही हैं क्योंकि आज के बच्चे ही हमारा भविष्य हैं।

प्रकृति और प्रगति, विकास और पर्यावरण संरक्षण में तालमेल जरूरी

आर्थिक प्रगति को समाज की खुशहाली और मजबूत संस्थाओं के निर्माण से जोड़ना आवश्यक

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के औद्योगिक विकास, किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं के सशक्तीकरण और उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता तथा युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में निरंतर सक्रिय हैं। इसके साथ ही उनका यह भी प्रयास है कि प्रकृति और प्रगति, विकास और पर्यावरण संरक्षण में तालमेल कैसे हो तथा हम अपनी आर्थिक प्रगति को प्रकृति के संरक्षण, समाज की खुशहाली और मजबूत संस्थाओं के निर्माण से कैसे जोड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है। विकास की वास्तविक सार्थकता तब है, जब उद्योगों के आगे बढ़ने, युवाओं, किसानों और महिलाओं को बेहतर अवसर मिलने के साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहे और समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में



सकारात्मक परिवर्तन आए। इसी उद्देश्य से गत दिवस च्यप्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व, सुशासन और सभ्यतागत ज्ञान के समन्वयज पर विचार मंथन किया गया।

री-यूज को अपने कामकाज का हिस्सा बनाना होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि इनके समन्वय में किसी एक व्यक्ति की उन्नति नहीं, बल्कि पूरे समाज की समृद्धि और सबके लिए बेहतर जीवन की सोच छिपी है। हमारी भारतीय ज्ञान परम्परा सदियों से इसी व्यापक दृष्टि का संदेश देती आई है। भगवद्गीता हमें सिखाती है कि कर्तव्य, विवेक, आत्मसंयम और लोक कल्याण एक-दूसरे से अलग नहीं हैं।

आधुनिक प्रबंधन और संस्थागत नेतृत्व के लिए भी ये मूल्य उतने ही उपयोगी हैं, जितने हमारे व्यक्तिगत जीवन के लिए। पर्यावरण ही हमारी समृद्धि का प्राकृतिक आधार है। हमारी अर्थव्यवस्था का आधार प्रकृति है।

उद्योग को जल और ऊर्जा चाहिए, कृषि को स्वस्थ मिट्टी और उपयोगी हैं, जितने हमारे व्यक्तिगत जीवन के लिए। पर्यावरण ही हमारी समृद्धि का प्राकृतिक आधार है। हमारी अर्थव्यवस्था का आधार प्रकृति है। उद्योग को जल और ऊर्जा चाहिए, कृषि को स्वस्थ मिट्टी और उपयोगी हैं, जितने हमारे व्यक्तिगत जीवन के लिए। पर्यावरण ही हमारी समृद्धि का प्राकृतिक आधार है। हमारी अर्थव्यवस्था का आधार प्रकृति है। विकास का कोई भी फैसला लेते समय पर्यावरण संरक्षण को सबसे पहला स्थान मिलना चाहिए।

TENDER INVITING NOTICE FOR CONSTRUCTION OF A SYNTHETIC BASKETBALL COURT WITH CHANNEL FENCING FOR ARMY PUBLIC SCHOOL NO-2, JABALPUR

1. Sealed tenders are invited from experienced, financially sound and reputed firms/supplier for "Construction of a Synthetic Basketball Court with Channel Fencing for Army Public School No-2, Jabalpur":-

Ser No	Scope of Work	A/U	Qty	Total Cost (Incl GST)
(a)	Construction of Synthetic Basketball Court (i) Removal of 3 PCC base of old broken court Preparing of surface by leveling, dressing, watering and rolling the earth as per required slope (ii) (Laying of 2 inch PCC base with repair on existing Basketball Court. Area-55 feet x 98 feet 5390 sq ft. (iii)(Laying of Ultra cushioned OB x Synthetic Layers with Fiber Mesh. The Synthetic Material must be EPDM (Ethylene Propylene Dyno Monomer) (iv) Coloring of the court (minimum two coats). (v) Uniform, textured, non slip matte finish (iv) Line Marking of the court as per the standard guidelines and design approved by FIBA (Durable, Compatible acrylic sports line paint to be used). (v) The court should have a uniform designed slope. The rainwater should flow towards 6" wide covered drain provided at either side of the court to ensure effective water drainage	Job	01	
(b)	Fencing Link Mesh surround the court upto 10 feet height with 01 x Door Area 3060 Sq ft	Job	01	
Total Amount (Incl GST)				₹

2 Tender details are available on School website (www.aps2jabalpur.org)
3 Address: Army Public School No 2, JAK RIF RC, Jabalpur (MP)-482001
4. Contact No 0761-2578715 (Civil). Mob 9406760480, 6959 (MI)

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (सामान्य शाखा) खुली निविदा

मंडल रेल प्रोजेक्ट (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मार्ग लंच के राउटपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यो हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। निविदा सूचना क्रमांक : निविदा सूचना क्र. जबल-एल-टी-न- 42-2025 RIA दिनांक 16.10.2026.

कार्य का नाम लोकेशन सहित : (i) CORE बिल्डिंग और (ii) GM बिल्डिंग और PREM बिल्डिंग में एयर कंडीशनिंग प्लांट की व्यवस्था। निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रुपये में) : Rs. 65414465.26. निविदा फार्म की कीमत (रुपये में) : 0.00. कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है। निविदा सूचना क्र. 42-2025 RIA दिनांक 16.10.2026.

वरी. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर, बगाना राशि रुपये: Rs. 1308300.00, समापन अवधि (माह/वर्ष) : 06 माह. निविदा जमा करने की तिथि (15.00 बजे तक) एवं समय 10/11/2026. निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक) : 10/11/2026. निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रखें एवं साइट <https://aps2jabalpur.gov.in> पर उपलब्ध है पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेब साइट से डाउन लोड की जा सकती है। (हरस्ता.)

वरी. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आम सूचना

संस्था जगन्नाथ दास प्रेमवती वेलफेयर सोसाइटी पता-637, स्टेशियम गेट नंबर 1 के सामने, राइट टाउन, जबलपुर पंजीयन क्रमांक जे/ जे/171 दिनांक 22/06/1990 द्वारा अपनी भूमि स्थित ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह सोसायटी ऑफिस, कार्यालय ग्राम दिचोरा, पटवारी हल्का सिरोहा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 47/2, 49, 63/1/1, 63/1/2, 65, 108/2 रकबा 1,670 हे., 1,070 हे., 1,300 हे., 0,390 हे., 4,420 हे., 4,950 हे. कुल रकबा 13,800 हे. विक्रय की जा रही है। उक्त भूमि

हितकारिणी महोत्सव : खो खो में गोरखपुर बी.टी. तिराहा और नर्सिंग कॉलेज ने जीती ट्रॉफी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित अंतर-हितकारिणी खो-खो प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को एमएलबी खो-खो ग्राउंड में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुए ट्रॉफी अपने अपने नाम की। समारोह के मुख्य अतिथि संजय यादव (प्रदेश सचिव, खो-खो संघ, मध्य प्रदेश) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एड जयेश सिंह राठौर (मंत्री, विद्या परिषद) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंजूषा मेराल (प्रभारी प्राचार्य, एमएलबी स्कूल) और निशा ठाकुर (समालिप्त पीटीआई, एमएलबी) उपस्थित रहें।

ये रहे परिणाम

बालक वर्ग में हुए फाइनल मुकाबले में हितकारिणी उमा शाला गोरखपुर और



हितकारिणी उमा शाला देवताल के बीच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें हितकारिणी गोरखपुर की टीम ने शानदार खेल भावना दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि हितकारिणी देवताल उपविजेता रही। वहीं बालिका वर्ग में हितकारिणी कन्या उमा शाला बी.टी. तिराहा की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर

महिला वर्ग में खेले गए कड़े मुकाबले में हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज ने हितकारिणी लॉ कॉलेज को पराजित कर विजेता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। लॉ कॉलेज इस प्रतियोगिता में उपविजेता रहा।

निर्णायक में इनका रहा योगदान

प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक की भूमिका राजेंद्र प्यासी, सिद्धांत चौरसिया, आकाश विश्वकर्मा, स्नेहा केवट और रानी राजपूत ने निभाई। संचालन विद्या परिषद के संयोजक राजीव श्रीवास्तव ने किया। खेल अधिकारी दिनेश ठाकुर, राजेंद्र तिवारी, राजेश सेन, हरीश विश्वकर्मा, कुंज बिहारी, आदिल खान, मोहित अग्रवाल और शेखर खंपरिया ने आयोजन को सफल बनाने में भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्राचार्य अर्चना गुप्ता, उपप्राचार्य सारिका मिश्रा, अंजली शर्मा तथा नर्सिंग कॉलेज की फर्स्ट एंड टीम भी उपस्थित रही।



हत्या के आरोपी के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थानाक्षेत्र गोकलपुर बाई अंतर्गत आजाद नगर क्षेत्र में रविवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुए खूनी संघर्ष और हत्या के मुख्य आरोपी समीर बंशकार के अवैध निर्माणों पर गुरुवार को जिला प्रशासन, नगर निगम की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चला दिया। जिला प्रशासन ने जांच में पाया था कि हत्याकांड के मुख्य आरोपी समीर बंशकार व उसके परिजनों ने नगर निगम क्षेत्रीय कार्यालय, वाचनालय तथा दुर्गा मंदिर के सामने खाली पड़ी शासकीय भूमि पर दुकानें और मकान बनाकर अवैध कब्जा कर रखा था। इसके साथ ही वहां सुअर पालन का कार्य भी किया जा रहा था। इतना ही नहीं, पंप हाउस पर भी कब्जा कर अवैध रूप से रहने की बात सामने आई थी। नगर निगम के अमले ने चिह्नित सभी अतिक्रमणों पर बुलडोजन चलाते हुए शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही शुरू कर दी है। हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों के संबंध में भी खाका तैयार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि रविवार को आजाद नगर उल्लेखनीय है कि रविवार की रात रांझी आजाद नगर क्षेत्र में नवरात्र के बाद भंडारा चल रहा था। इसी दौरान इसी दौरान कुछ लोग तेज गति से बाइक लेकर वहां से निकले। स्थानीय लोगों ने उन्हें वाहन धीरे चलाने की हिदायत दी, जिससे नाराज होकर बाइक सवार युवक वहां से चला गया और कुछ ही देर बाद अपने अन्य साथियों को लाठी-डंडों और धारदार हथियारों के साथ वापस लेकर आ गया। आरोपियों ने आते ही बिबाद शुरू कर दिया और विरोध करने पर लाठी-डंडों से अंधाधुंध मारपीट शुरू कर दी। इस हिंसक झड़प में बीच-बचाव करने आए लोगों को भी चोटें आई थीं। घटना में सिर पर गंभीर चोट आने के कारण 50 वर्षीय पारस यादव को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट में रखा था। लेकिन सोमवार की रात उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

टीकाकरण से ही संभव है सुरक्षित भविष्य



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, जबलपुर के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग तथा जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में विक्टोरिया अस्पताल में एक दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता

कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्थान की प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के कुशल मार्गदर्शन तथा समन्वयक सुश्री स्वप्निल मसीह एवं सुश्री अनिका जोसेफ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसमें बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उपस्थित आमजनों व अभिभावकों को संपूर्ण टीकाकरण के महत्व, स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका और सामुदायिक सहभागिता के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने च्छर बूंद अनमोल हैज्ज का संदेश देते हुए सभी माता-पिता से अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को नियमित रूप से पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ी को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर अस्पताल का स्टाफ, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।



बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी परामर्श दिए। कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी एवं डीन डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में इस शिविर का आयोजन किया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य

लज्जरी कारों से खतरनाक स्टंट करने वालों पर कसा शिकंजा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घमापुर से भानतलैया के बीच आधी रात को तेज रफ्तार लज्जरी कारों से स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में युवक कारों के दरवाजों पर लटककर कर्कश आवाज में हॉर्न बजाते हुए घूम रहे थे। पुलिस ने वीडियो पर संज्ञान लेते हुए गुरुवार को पांच वाहनों के मालिकों और चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने तीन कारें जब्त की हैं। पुलिस के मुताबिक, 28 अक्टूबर 2026 को 12 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें कुछ कार चालक तेज गति और लापरवाही से खतरनाक तरीके से वाहन चलाते दिखाई दिए। वीडियो को पड़ताल के लिए आसपास की दुकानों से जानकारी ली गई और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। इससे पता चला कि वीडियो बेलबाग थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने गुरुवार को पांच वाहनों के मालिकों और चालकों के खिलाफ बेलबाग थाने में धारा 281 बीएनएस और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66(1)/192(1) के तहत अपराध दर्ज किया है।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में गूँजा स्वच्छता का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा स्वच्छता, स्वच्छ परिसर एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 27 अक्टूबर 2026 को कायाकल्प गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी

उपस्थितजनों द्वारा ली गई स्वच्छता शपथ के साथ हुई। इसके उपरांत बायोमैडिकल वेस्ट प्रोग्रामेशन (जैव-चिकित्सा कचरा पृथक्करण) पर एक व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन) आयोजित किया गया। इसमें बायोमैडिकल वेस्ट के प्रकारों, निर्धारित रंगों के डस्टबिन में उनके सही निस्तारण और अस्पताल में संक्रमण

ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने बेकार पड़ी अपशिष्ट सामग्रियों से सुंदर व उपयोगी सजावटी वस्तुएं बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के

नर्मदा परिक्रमा के लिए नई टीम गठित व्यवस्थाओं की बनी कार्ययोजना



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आगामी 23 नवंबर बैकूट चतुर्दशी के पावन अवसर पर महर्षि गौतम आश्रम, गोपालपुर, भेड़ाघाट से आयोजित होने वाली नर्मदा परिक्रमा की तैयारियों को लेकर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, स्नेह नगर में श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परम पूज्य श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी राघव देवाचार्य जी महाराज को समिति का संरक्षक नियुक्त किया गया। संकीर्तनाचार्य पंडित मनमोहन दुबे के सानिध्य में संगठन का विस्तार करते हुए 27 पदाधिकारियों को

विभिन्न दायित्व सौंपे गए। समिति अध्यक्ष देवेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि परिक्रमा की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी सदस्य आपसी समन्वय, अनुशासन एवं सेवाभाव से आयोजन को सफल बनाएंगे। बैठक में अध्यक्ष देवेन्द्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेन्द्र नेमा सहित पप्पू चौबे, विशाल पंड्या, अजय पांडे एवं नवनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रमुख दायित्वों में संयोजक संजय गौतम, सह-संयोजक सत्य प्रकाश नामदेव, उप-संयोजक विवेक अग्रवाल, मुख्य व्यवस्थापक अवधेश खरे, सह-व्यवस्थापक नवीन श्रीवास्तव, प्रशासनिक प्रभारी शंकर नामदेव, सह-प्रशासनिक प्रभारी शशांक अग्रवाल (राजू), जनसंपर्क अधिकारी मोहित कुमार लोधी, प्रचार-प्रसार संयोजक देवव्रत सोनी, सह-प्रचार-प्रसार संयोजक पवन साहू, कार्यालय प्रमुख अतुल कुमार पटेल, मंच व्यवस्था प्रमुख अरविंद अग्रवाल एवं सह-मंच व्यवस्था प्रमुख आकाश अग्रवाल शामिल हैं।

छत से गिरने पर मिस्री की हुई मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा के वार्ड नंबर 9, इमलहापुरा में मकान निर्माण का कार्य करने वाले 55 वर्षीय मिस्री की छत से नीचे गिरने के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी अनुसार राजेश पिता प्रेमचंद चौधरी उम्र 55 वर्ष निवासी इमलहापुरा पेशे से मकान निर्माण मिस्री थे। राजेश बीती शाम काम को खत्म कर घर लौटे थे। रात लगभग 9.30 बजे भोजन करने के लिए छत की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे संभल नहीं पाए, जिसके चलते वे सीधे छत से नीचे सड़क पर आ गिरे। गिरने की तेज आवाज सुनकर घर के परिजनों के साथ-साथ आसपास के मोहल्ले के लोग भी तुरंत दौड़कर मौके पर पहुंचे। घटना में राजेश के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। परिजनों ने उसे तुरंत सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मार्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

पारधी गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार सस्ते सोने के सिक्कों का झांसा देकर हड़प लिए 2.10 लाख

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सस्ते दाम पर पुराने सोने के सिक्के देने का झांसा देकर पश्चिम बंगाल के एक सेल्समैन और उसके ममेरे भाई से 2.10 लाख रुपए ठग लिए गए। पनागर थाना क्षेत्र के कुशनेर अंडर ब्रिज बायपास पर हुई इस घटना में पुलिस ने गोसलपुर निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कृष्णा कुमार उर्फ बंटी पारधी और उसके भाई राजवीर पारधी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। अब पुलिस उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। पीड़ित विश्वजीत बनक पश्चिम बंगाल के बीरभूम के रहने वाले हैं। जनकारि के मुताबिक, अगस्त 2026 में झारखंड के देवघर में बाबा धाम कांवड़ यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात रुद्राक्ष बेचने वाली एक महिला से हुई थी। इसके बाद महिला के पति बंटी ने फोन कर खुद को उसका पति बताया



और कम कीमत पर पुराने सोने के सिक्के देने का लालच दिया।आरोपियों ने शुरुआत में विश्वजीत को जांच के लिए 1.18 ग्राम का एक असली सोने का सिक्का दिया। इससे उनका भरोसा जीतने के बाद आरोपियों ने 50 से 60 और सिक्के देने के नाम पर 2 लाख 10 हजार रुपए मांगे। इसके लिए विश्वजीत 24 अक्टूबर को अपने ममेरे भाई के साथ जबलपुर पहुंचे। आरोपियों ने दोनों को पनागर क्षेत्र के कुशनेर अंडर ब्रिज बायपास पर बुलाया था। वहां पीड़ितों ने सिक्कों की दोबारा जांच कराने की बात कही, तो आरोपियों ने कथित तौर पर रुपयों से भरा बैग, मोबाइल और अन्य सामान जबरन छीन लिया और फरार हो गए।

बाथरूम के पानी से बन रहा था खाना

खाद्य सुरक्षा विभाग का एक्शन, नियमों का उल्लंघन करने पर सिद्धि विनायक रेस्टोरेंट सील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। त्योंहारों के अवसर पर आम नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम ने शहर के साऊथ सिविल लाईन, ग्वारीघाट एवं रामपुर स्थित तीन



प्रमुख प्रतिष्ठानों में आकस्मिक निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि शिकायत मिलने पर साऊथ सिविल लाईन स्थित सिद्धि विनायक रेस्टोरेंट के किचन की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान किचन में अत्यंत गंदगी और अस्वच्छ स्थितियां पाई गईं। मौके पर पाया गया कि भोजन पकाने और सब्जियां धोने के लिए बाथरूम के पानी का उपयोग किया जा रहा था। रेस्टोरेंट संचालक द्वारा



लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रेस्टोरेंट को सील कर दिया गया है। साथ ही मौके से पनीर, दाल और चावल के नमूने जांच के लिए लिए गए।

अन्य दुकानों पर भी चला चेकिंग अभियान

टीम ने ग्वारीघाट स्थित न्यू केशरवानी स्वीट्स का निरीक्षण कर वहां से नारियल बर्फी और मगज के लड्डू के सैंपल लिए। इसी तरह रामपुर स्थित मधु कलश स्वीट से आटा के लड्डू और पेड़ा के नमूने एकत्र किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, एकत्र किए गए सभी खाद्य नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मिलावटखोत्रों और अमानक भोजन बेचने वालों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।